पेज. 4 नीमच में आकर्षण का केंद्र बना गणपति

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

11 सितम्बर 2024

वर्ष 02, अंक 23, - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 71,710 Silver 83,950 Crude Oil 5,677 Natural Gas 321.00 Aluminium 213.10 Copper 789.30

खास खबर

गोरखा समाज ने सिक्किम टीम का किया स्वागत

नीमच। में आयोजित रही बालिकाओ की राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने आई सिक्किम राज्य की बालिका फुटबॉल टीम का गोरखा समाज नीमच के पदाधिकारियों द्वारा खिलाड़ियो और प्रशिक्षको को मफलर पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में समाज के सचिव दीपक थापा ने खिलाड़ियों का अभिवादन किया और खेल भावना से खेलने ओर विजयी होने की शुभकामनाएं दी। सिक्किम टीम का गोरखा समाज द्वारा नीमच में स्वागत होने पर टीम के सभी खिलाडियों एवं प्रशिक्षकों को काफी प्रसन्नता हुई कि मध्यप्रदेश के नीमच में उनका इस प्रकार स्वागत हुआ। समारोह में जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष रमेश थापा, नीमच जिला कराटे संघ की सचिव श्रीमती मीरा थापा, हॉकी संघ से धर्मेंद्र गुरुंग, राज बहादुर प्रधान, तरुण गुरुंग, मनोज गुरुंग और श्रीमती सृजना राई थापा एवं गोरखा समाजजनों ने उपस्थित होकर जीतने की शुभकामनाएं दी।

महाराष्ट्र चुनाव में 150 सीटों पर अड़ी भाजपा, कैसे मानेंगे शिंदे और अजित पवार महायुति में सीट बंटवारे पर सस्पेंस जारी

भाजपा 150 से 160 सीटों पर चुनाव लड़ने पर अड़ी हुई है। ऐसा होने पर, अन्य दो दलों के लिए केवल 128 से 138 सीटें ही बचेंगी, जो कि शिवसेना और एनसीपी के लिए अस्वीकार्य मानी जा रही हैं।

महाराष्ट्र। विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर अभी भी आम सहमति नहीं बन पाई है। महायुति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अलावा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। फिलहाल गठबंधन सहयोगी वर्तमान में आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर बातचीत कर रहे हैं। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट में अज्ञात सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि भाजपा लगभग 140 से 150 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, जबकि शिवसेना 80 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, और एनसीपी 55 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। तीन सीटें छोटे सहयोगियों के लिए रखी गई हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में कराए जा सकते हैं।यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीनों दलों के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक की और आगामी विधानसभा चुनाव में तीनों को सम्मानजनक संख्या में सीटें देने का वादा किया। अमित शाह ने उनसे सार्वजनिक टकराव से बचने और एकजुट होकर काम करने को भी कहा।

एचटी ने पहले बताया था कि भाजपा 150 से 160 सीटों पर चुनाव लड़ने पर अड़ी हुई है। ऐसा होने पर, अन्य दो दलों के लिए केवल 128 से 138 सीटें ही बचेंगी, जो कि शिवसेना और एनसीपी के लिए अस्वीकार्य मानी जा रही हैं। इस गठबंधन का मुकाबला महा विकास अघाड़ी (रू्) से होगा, जो कि कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और शरद पवार के एनसीपी गुट से बना एक विपक्षी गठबंधन है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में, महा विकास अघाड़ी ने महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 30 सीटें जीतीं, जबकि महायुति ने 17 सीटें हासिल कीं।

1 सितंबर को भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा था, ''महायुति में सीटों के बंटवारे पर बातचीत 10 दिन में पूरी हो जाएगी। हमने फैसला लिया है कि सीटों को जीतने की संभावना के आधार पर आवंटित किया जाएगा। हम अपने सहयोगियों के लिए कुछ सीटें छोड़ेंगे। प्रत्येक दल कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, यह महत्वपूर्ण नहीं है। डबल इंजन की सरकार बनाना महत्त्वपूर्ण होगा ताकि यह सुनिश्चित हो कि कल्याणकारी योजनाएं जारी रहें।

सभी राजस्व अधिकारी रास्ता विवादों को प्राथमिकता से हल करवाएं - श्री चंद्रा

कलेक्टर ने की जनसुनवाई-96 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच। जनसुनवाई में प्राप्त रास्ता विवादों के आवेदनों का सभी राजस्व अधिकारी तत्परतापूर्वक निराकरण सुनिश्चित करे। मौका निरीक्षण कर रास्ता खुलवाएं। यदि कोई पक्षकार समझाईश के बावजूद रास्ता अवरूद्ध करता हो, तो संबंधित के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए एस.डी.एम.नीमच को दिये। जनसुनवाई में कलेक्टर 96 आवेदकों की समस्याओं से रूबरू हुए एवं उनकी समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रश्मी श्रीवास्तव,श्री चंद्रसिंह धार्वे एवं एस.डी.एम.,डॉ.ममता खेडे, सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने इंदिरा नगर नीमच के राजेन्द्र वर्मा के आवेदन पर मकान से लगे हुए विद्युत पोल एवं हाईटेंशन विद्युत लाईन को अन्यत्र शिफ्ट करवाने के निर्देश अधीक्षण यंत्री म.प्र.प.क्षेत्रविद्युत वितरण कम्पनी नीमच का दिए। रतनगढ़ की जनसेवक श्रीमती रामकन्याबाई ने वेतन से न.प.व्दारा बैंक लोन की किश्त काटने के बावजूद बैंक में जमा नहीं कराने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने एसडीएम जावद एवं सीएमओ को सभी जनसवकों के ऋण की काटी गई राशि संबंधित के खाते में जमा करवाने के निर्देश दिए।

नया बाजार नीमच की सीमा गर्ग ने अपने भूखण्ड के सामने अवैध रूप से अतिक्रमण कर निर्माण करने की शिकायत पर कलेक्टर ने सीएमओ को निर्देश दिए,कि वे तत्काल मौके पर जाकर अवैध अतिक्रमण हटवाएं।

जनसुनवाई में पालसोडा के राजेंद्र पाटीदार, जीरन के देवीलाल, रामपुरा के रामचंद्र, जूना बाजार नीमच सीटी के इरफान खान, खोर के बाबरू गायरी, बरखेड़ा के मांगीलाल मेघवाल, सिंगोली के अशोक शर्मा, ग्वालटोली की फरीदा, कोज्या के भैरूलाल रेगर, कानका की भगवतीबाई तैली, राम अवतार कॉलोनी की स्नेहलता लोधा, कुचड़ोद के मंगल राव आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

सब जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चेम्पियनशिप जारी, बालिका खिलाड़ियों ने दिखाया रोमांचक खेल

बरसात के कारण सिक्किम मध्य प्रदेश का मैच स्थगित, आज वापस होगा

नीमच। मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन और जिला फुटबाल संघ के संयुक्त तत्वाधान में 8 से 17 सितंबर तक आयोजित सब जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चेम्पियनशिप का मंगलवार को शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया । राष्ट्रीय फुटबाल स्पर्धा का शुभारंभ मैच अंडमान निकोबारऔर त्रिपुरा के बीच सुबह 10 बजे सीआरपीएफ स्थित मेहता स्टेडियम तथा राजेंद्र प्रसाद स्टेडियम पर 2 मैच के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया।..

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जिला खेल महासंघ के अध्यक्ष किशोर जवेरिया, समाजसेवी मधुसूदन खंडेलवाल ,एडवोकेट महेश पाटीदार ,डॉक्टर पृथ्वी सिंह वर्मा, समाजसेवी अशफाक भाई श्री राम गोडबोले, प्रवीण अरोंदेकर, वीरेंद्र जायसवाल ,प्रकाश मंडवारिया, अन्नपूर्णा सेवा समिति आदि अतिथि के रूप में मंचासिन थे। किशोर जवेरिया ने कहा कि? राष्ट्रीय स्तर की सब जूनियर महिला वर्ग की प्रतियोगिता पूरे देश में फुटबॉल की धरती के नाम से विख्यात नीमच में आयोजित की गई है। आयोजक साधुवाद के पात्र है और नीमच क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। पालिका प्रशासन समय रहते इस मैदान में और तकनीकी सुधार करता तो देश भर से आए खिलाड़ी अपने साथ अच्छा संदेश लेकर जाते ।फुटबॉल के खेल में टीम को नई-नई तकनीक सीखने से टीम को सफलता मिलती है। यही बेटियां भविष्य देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन करेगी। एडवोकेट महेश पाटीदार ने कहा कि इस खेल प्रतियोगिता के आयोजन से नीमच के विद्यार्थियों में भी खेल के प्रति नई जागृति आएगी। नीमच की धरती ने राष्ट्रीय स्तर के कई खिलाड़ी दिए हैं जिन्हें शासकीय सेवा का लाभ भी मिला है। इस खेल प्रतियोगिता से नीमच के विभिन्न फुटबॉल संगठनों में सामाजिक एकता का संदेश गया है। खेल प्रतियोगिता से विद्यार्थी हारना सीखता है हारने से सहनशीलता बढ़ती है और सहनशीलता से मानवीय मूल्य का विकास होता है। जो राष्ट्रीय विकास के लिए प्रमुख आधार है।

कार्यक्रम में गौरव चोपड़ा, मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव अमित रंजन देव, राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी विकास शर्मा, व गौरव चोपड़ा आदि मंचासिन थे। अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत शंकर कप्तान,

राजेंद्र नामदेव, मोहम्मद रफीक, कमल रूपाली, अब्दुल हमीद, सचिव प्रमोद शर्मा, रमेश थापा, दीपक थापा, मुकेश चोपड़ा, संजय पंवार, भागीरथ अहीर,आदि ने किया।कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट सुनील पटेल जैन ने किया तथा आभार भाजपा नेता एवं भाजपा नेता समाजसेवी संतोष चोपड़ा ने व्यक्त किया।

बालिकाओं ने फुटबॉल में दिखाया उतकृष्ट खेल कौशल ये परिणाम रहे सीआरपीएफ मेहता स्टेडियम के कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि के रूप में सीटीसी सीआरपीएफ के कमांडेंट वेद प्रकाश, जीसी सीआरपीएफ के कमांडेंट राजेश सिंह, आईटीसी नीमच कमांडेंट सीरीज छोटन ठाकुर प्रथम बटालियन के द्वितीय क.अधिकारी अमर सिंह चौहान,ग्रुप केंद्र के स्पोर्ट्स ऑफिसर डिप्टी कमांडेंट देवेंद्र सिंह नेगी अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

प्रथम मैच में अंडमान निकोबारऔर त्रिपुरा के मध्य खेला गया। त्रिपुरा की टीम ने9 गोल तथा अंडमान निकोबार की टीम ने 1 गोल किया। त्रिपुराकी टीम 8 गोल से विजेता रही। दूसरे मैच आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के मध्य खेला गया

आंध्र प्रदेश की टीम ने 5 गोल तथा . पांडिचेरी की टीम ने1 गोल किया और आंध्र प्रदेश की टीम ने मैच में 4 गोल से विजय श्री प्राप्त की। इसी प्रकार राजेंद्र प्रसाद स्टेडियम में 2 मैच खेले गए जिसमें मैच उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के मध्य खेला गया। जिसमें उत्तर प्रदेश टीम ने 4 गोल किये ओर उत्तराखंड की टीम ने 1गोल किया उत्तर प्रदेश की टीम ने यह मैच 3 गोल से जीत लिया। दूसरा मैच सिक्किम और मध्य प्रदेश के बीच खेला गया।15 मिनट के बाद ही तेज बरसात से स्टेडियम में पानी भर गया और मैच को स्थगित कर दिया गया बाकी मैच पुन: बुधवार को सुबह राजेंद्र प्रसाद स्टेडियम पर आयोजित किया जाएगा।

आज के मैच-

सीआरपीएफ के मेहता स्टेडियम में 11सितम्बर बुधवार सुबह 10 बजे चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर के बीच पहला मैच तथा दूसरा मैच दोपहर 3 बजे गोवा और केरला के बीच खेला जाएगा। राजेंद्र प्रसाद स्टेडियम में दोपहर3बजे राजस्थान और उड़ीसा के बीच एक मैच आयोजित किया जाएगा।

नीमच और मंदसौर मेडिकल कॉलेज में 50-50 अधिक सीटों की वृद्धि

नीमच। नीमच एवं मंदसौर मेडिकल कॉलेज में सीटें बढाने को लेकर क्षेत्रीय सांसद सुधीरजी गुप्ता एवं विधायक दिलीपसिंहजी परिहार के प्रयासों को बडी सफलता मिली है। पूर्व में सरकार ने नीमच के मेडिकल कॉलेज में 50 सीटों की मंजूरी दी थी। मेडिकल कॉलेज में सुविधाएं और सीटों की संख्या बढाने को लेकर नेता द्वय लम्बे समय से प्रयासरत थे,जिले के जनप्रतिनिधि के प्रयासों से मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने 50-50 सीटों की अतिरिक्त मंजूरी प्रदान की है। अब नीमच एवं मंदसौर जिले के मेडिकल कॉलेजों में कुल 100-100 सीटें उपलब्ध है। नीमच मेडिकल कॉलेज को यह महत्वपूर्ण सौगात देने के लिए विधायक दिलीपसिंह परिहार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जगतप्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव, प्रदेश स्वास्थमंत्री राजेंद्र शुक्ल, क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता का आभार व्यक्त किया है।

शास्त्र विधानानुसार एकमत से हुआ श्राद्ध तिथि निर्णय

कर्मकाण्डीय विप्र परिषद की बैठक सम्पन्न

नीमच। कर्मकांडीय विप्र परिषद नीमच की एक आवश्यक वृहद बैठक स्थानीय भूतेश्वर महादेव मंदिर परिसर कें अन्नपूर्णा दरबार में सोमवार 9 सितंबर 2024 को सम्पन्न हुई।

कर्मकांडीय विप्र परिषद के अध्यक्ष पं.राधेश्याम उपाध्याय ने बताया कि आगामी 17 सितम्बर से प्रारंभ हो रहे पितृ पक्ष में कुछ श्राद्ध तिथियों को लेकर जनमानस में संशय की स्थिति बनी हुई थी, जिसे दूर करने के लिए शास्त्र अनुसार प्रमाणिक निर्णय हो, ताकि आगामी श्राद्ध कर्म शास्त्र विधानानुसार करके सभी श्रद्धालु पितरो की कृपा से उत्तम फल प्राप्त कर सकें इस हेतु परिषद की बैठक में धर्मसिन्धु, निर्णयसिन्धु, भारत के प्रसिद्ध प्रमुख पंचांगों के अवलोकन के साथ ही आध्यात्म एवं ज्योतिष के विश्वप्रसिद्ध केन्द्र धर्मनगरी उज्जैन के विद्वानों द्वारा लिए गए। सर्वसम्मत निर्णय को भी शास्त्रसम्मत व प्रामाणिक मानते हुए उसका समर्थन किया गया। तदअनुसार श्राद्ध पक्ष तिथियों का एकमत से निर्णय लिया गया। नीमच के स्थानीय सूर्योदय, अपरान्ह काल व तिथि को भी दृष्टिगत रखते हुए श्राद्ध सूची निम्नानुसार प्रकाशित है -

(1) पूर्णिमा श्राद्ध - 17 सितम्बर 2024, मंगलवार (दोप. 11.45 के पश्चात)

(2) एकम श्राद्ध - 18 सितम्बर 2024, बुधवार (चन्द्रग्रहण विदेषों में दृश्य हैं, भारत में नहीं)

(3) द्वितीया श्राद्ध - 19 सितम्बर 2024, गुरूवार

(4) तृतीया श्राद्ध - 20 सितम्बर 2024, शुक्रवार

(5) चतुर्थी श्राद्ध - 21 सितम्बर 2024, शनिवार

(6) पंचमी श्राद्ध - 22 सितम्बर 2024, रविवार

(7) षष्ठी श्राद्ध - 23 सितम्बर 2024, सोमवार (दोप. 1.51 तक)

(8) सप्तमी श्राद्ध - 24 सितम्बर 2024, मंगलवार (दोप. 12.39 तक)

(9) अष्टमी श्राद्ध - 25 सितम्बर 2024, बुधवार (दोप. 12.11 तक)

(10) नवमी श्राद्ध - 26 सितम्बर 2024, गुरूवार (दोप. 12.26 तक)

(11) दशमी श्राद्ध- 27 सितम्बर 2024, शुक्रवार (दोप. 1.21 तक)

(12) एकादशी श्राद्ध - 28 सितम्बर 2024, शनिवार (दोप. 2.50 तक)

(13) द्वादशी श्राद्ध - 29 सितम्बर 2024, रविवार (सन्यासीनां श्राद्ध)

(14) त्रयोदशी श्राद्ध - 30 सितम्बर 2024, सोमवार

(15) चतुर्दशी श्राद्ध - 1 अक्टूबर 2024, मंगलवार (शस्त्रादि मृत एवं अग्नि से मृत लोगों का श्राद्ध)

(16) सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध - 2 अक्टूबर 2024, बुधवार

(17) मातामहादि श्राद्ध - 3 अक्टूबर 2024, गुरूवार

नोट- 18 सितम्बर को चन्द्रग्रहण भारत में दृष्य नहीं होगा इससे भारत में इस ग्रहण से सम्बंधित कोई भी यम-नियम-सूतक आदि मान्य नहीं होंगे।

श्राद्ध कर्म अनिवार्य है - कुछ लोगों में यह भ्रामक प्रचार है कि गया श्राद्ध करने के बाद श्राद्ध आदि करने की आवश्यकता नहीं। यह विचार पूर्णरूप से गलत है। क्योंकि - श्राद्धं न कुरूते मोहात् तस्य रक्तं पिबन्तिते (पद्म पुराण)... पितरस्य शापम दत्वा प्रयान्तिते। पितृ तृप्तिम् प्रकुर्वीत... नैवं श्राद्धं विवर्जयेत। अर्थात् जो व्यक्ति मोहवश अपने पितृं का श्राद्ध नहीं करते हैं, पितर उनका रक्त पान करते हैं और श्राप देकर रूष्ट होकर चले जाते हैं। अत: पितृं को यथासाध्य श्राद्ध आदि से तृप्त करना चाहिए। कभी भी श्राद्ध का त्याग न करें। क्योंकि पितृं के कारण ही हमारा अस्तित्व है। श्राद्ध कर्म में प्रात:काल तर्पण आदि कर्म तथा मध्यान्ह काल में श्रद्धानुसार 1 या 3 ब्राम्हणों को उत्तम भोजन व दक्षिणा आदि से सन्तुष्ट कर प्रसन्न करें।

इस महत्वपूर्ण बैठक में परिषद के पं.मालचंद शर्मा, पं.प्रेमप्रकाश शर्मा (गोटू महाराज), पं.शिवशंकर शुक्ल कनावटी, पं.रामेश्वर शर्मा, पं.घनश्याम शास्त्री चल्दू, पं.दशरथ शास्त्री, पं.महेश शर्मा, पं.दिनेश धर्म (शास्त्री), पं.नरेन्द्र शास्त्री कचौली वाले, पं.लक्ष्मण शास्त्री, पं.राकेश शास्त्री, पं.दुर्गाशंकर नागदा, पं.सुनील शर्मा, पं.जगदीश प्रसाद शर्मा, पं.मनोज शर्मा, सहित अन्य सभी विद्वान, पंडित, पुरोहित कर्मकर्ता, मंदिरो के पुजारी, ज्योतिषी उपस्थित थे। उक्त जानकारी परिषद के मंत्री पं.जगदीश शर्मा ने प्रदान की।

पं.जगदीश शर्मा, मंत्री, कर्मकाण्डीय विप्र परिषद, नीमच।

शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग, ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

नीमच। शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर मंगलवार को ग्राम रातडिया के ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर प्रतिनिधि को सौपा, जिसमें ग्रामवासियों ने बताया कि ग्राम रातडिया में शासकीय गोचर की भूमि स्थित है जिस पर ग्रामवासियों के द्वारा अपने मनमाने तरीके से भूमि के अंश पर अतिक्रमण कर कब्जा कर लिया गया। जिसके कारण आवास हीन ग्रामीणों को शासकीय योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। गोचर के लिए वही भूमि नही बची है।

उक्त मामले की शिकायत पूर्व में भी ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत अडमालिया व मौज पटवारी व तहसीलदार को की गई थी परंतु अब तक उक्त मामले में कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण अतिक्रमणकर्ताओ के हौसले बुलंद है और धीरे-धीरे गांव की शासकीय भूमि पर इच्छा अनुसार अतिक्रमण किया जा रहा है।

दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि उपरोक्त शासकीय भूमि से अतिक्रमणकर्ताओ का कब्जा हटाकर उन्हें जुर्माने से दंडित किया जाए।

नीमच में दर्दनाक सड़क हादसा, बाइक और टैंकर की हुई आमने सामने भिड़ंत

नीमच। जिले के भाटखेड़ा चौराहा पर अदानी विल्मर फैक्ट्री के पास सोमवार रात में एक हादसा हो गया। इसमें बाइक और टैंकर की आमने-सामने से टक्कर में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को जिला अस्पताल लाया गया। 23 साल का मृतक भारत केलुखेड़ा का रहना वाला था। वह रोजाना की तरह हिंगोरिया की धानुका फैक्ट्री से मजदूरी कर घर लौट रहा था। तभी सोया फैक्ट्री के पास एक तेज रफ्तार दूध टैंकर ने बाइक जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद भारत और उसके साथ बाइक पर बैठे उसके दोस्त को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने भारत को मृत घोषित कर दिया। जबकि उसका साथी गम्भीर रूप से घायल है। घायल के हाथ पैर में चोट आई है। गांव के सरपंच प्रतिनिधि दिनेश पाटीदार ने बताया कि भारत घर का एक मात्र कमाने वाला सदस्य था। उसकी कुछ साल पहले ही शादी हुई ती। उसका एक 10 माह का बेटा भी है।

दिव्यांग जनों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग, दिव्यांग ज्योति सेवा संस्थान के बैनर तले रैली निकाल सौंपा ज्ञापन

नीमच। दिव्यांग जनों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर मंगलवार को दिव्यांग ज्योति सेवा संस्थान के बैनर तले जिले के दिव्यांग जन मोन रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय पहुचे जहा उन्होंने मुख्यमंत्री,राज्यपाल और कलेक्टर के नाम तीन अलग-अलग ज्ञापन सोपे। दिए गए ज्ञापन में मांग रखी गई है कि दिव्यांग जनों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन 600 से बढ़कर वादे अनुसार 1500 रु प्रति माह की जाए,प्रदेश के हर जिले में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र का निर्माण तत्काल कराया जाए, प्रदेश के जिलों में संचालित दिव्यांग पुनर्वास केंद्र पर खाली पड़े पदों पर शासन की गाइडलाइन अनुसार दिव्यांगों को भर्ती किया जाए, रेल यात्रा हेतु दिव्यांगजनों के पास बनाया जाए, संपूर्ण मध्य प्रदेश में दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए ,प्रदेश के हर जिले में दिव्यांग खेल ट्रेनिंग सेंटर खोले जाए,राजनीति में प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु दिव्यांग जनों का आरक्षण सुनिश्चित किया जाए, स्थानीय मुद्दों को लेकर भी दिव्यांगजनों ने दिव्यांग ज्योति पार्क के लिए प्रदान की गई राशि को आवंटित करने की मांग, नीमच हवाई अड्डे रोड पर 20 वर्ष पूर्व मुखबधिर विद्यालय के लिए आवंटित जमीन को उपलब्ध कराने की मांग,मुखबधिर आवास विद्यालय हेतु भवन निर्माण करने की मांग दृष्टिहीन दिव्यांगजनों की शिक्षा सुविधा के लिए जिला मुख्यालय पर आवासीय दृष्टिहीन विद्यालय का निर्माण, मानसिक दिव्यांग बच्चों को निरामय योजना का लाभ दिया जाने की मांग सहित अन्य मांगे शामिल की गई है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाएगी भारतीय टीम गृह मंत्री अमित शाह ने दिया जवाब

अगले साल पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेली जानी है। टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। टीम इंडिया का पाकिस्तान दौरा पूरी तरह से सरकार पर निर्भर करता है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संकेत दिए हैं कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। अमित शाह ने कहा बातचीत और बम एक साथ नहीं चल सकते।

नई दिल्ली। अगले साल पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेली जानी है। आईसीसी के इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। टीम इंडिया का पाकिस्?तान दौरा पूरी तरह से सरकार पर निर्भर करता है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संकेत दिए हैं कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी।

शाह ने जारी किया घोषणा पत्र

दरअसल अमित शाह ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में होने वाले चुनाव से पहले बीजेपी का घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान उन्होंने कहा, बातचीत और बम एक साथ नहीं चल सकते। जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं हो जाता, हम पाकिस्तान से बातचीत के पक्ष में नहीं हैं। अमित शाह के इस बयान को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

हाइब्रिड मॉडल में कराने की मांग

सरकार के रवैये से साफ लग रहा कि वह भारतीय क्रिकेट टीम को सरहद पार भेजने के पक्ष में नहीं है।

हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा था कि टीम इंडिया पाकिस्तान जाएगी या नहीं यह पूरी तरह से भारत सरकार के हाथ में है।

BCCI चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की मांग कर रहा है।

हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि भारतीय टीम अपने सभी मैच पाकिस्तान में ही खेले।

तैयारी में जुटा पाकिस्तान

पाकिस्तान इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तैयारी में जुटा हुआ है। टूर्नामेंट पाकिस्तान के 3 स्टेडियम (कराची, लाहौर, रावलपिंडी) में खेला जाना है। ऐसे में इन सभी स्टेडियम में रिनोवेशन का काम चल रहा है। टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच खेला जाएगा। इस दौरान 8 टीमें खिताब के लिए टकराएंगी।

चैंपियंस ट्रॉफी वेन्यू

लाहौर- गद्दाफी स्टेडियम

कराची-नेशनल स्टेडियम

रावलपिंडी- रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम

भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

ग्रुप ए- भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश

ग्रुप बी- इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान

स्टील डंप के लिए चीन की कसी जाएगी लगाम वाणिज्य मंत्री कर रहे तैयारी

चीन स्टील बाजार का सबसे दिग्गज खिलाड़ी है। लेकिन वहां 2020 से डिमांड कमजोर है। चीन में प्रॉपर्टी संकट बढ़ने से चीजें और भी ज्यादा खराब हो गई। इससे स्टील का भाव कई साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। ऐसे में अपने स्टील को सस्ते भाव में भारत जैसे देशों में डंप करने लगा। चीन में स्टील की डिमांड लंबे वक्त तक कमजोर बनी रहने वाली हैं।

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने इस्पात उद्योग को अनुचित प्रतिस्पर्धा के बारे में चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया है, जिससे इस क्षेत्र की वृद्धि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उचित कदम उठाए जा सकें। स्टील इंडस्ट्री की कुछ कंपनियों ने चीन से कम कीमत के आयात पर चिंता जताई है।

गोयल ने कहा, मैंने इस्पात उद्योग को आमंत्रित किया है कि वे उस अनुचित प्रतिस्पर्धा को समझें जिसका उनमें से कुछ को सामना करना पड़ रहा है, तथा उचित कदम उठाएं ताकि इस्पात उद्योग जीवंत बना रहे, बढ़ता रहे तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार जोड़े। उन्होंने बढ़ते आयात के खिलाफ समान अवसर प्रदान करके घरेलू उद्योग की रक्षा के लिए सीमा समायोजन कर लागू करने का विचार पांच सितंबर को पेश किया था।

गोयल ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) का उद्देश्य संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जार्डन, इजरायल और यूरोपीय संघ (ईयू) के माध्यम से भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप को जोड़ना है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि यह महत्वपूर्ण पहल भारत के समुद्र क्षेत्र की सुरक्षा को बढ़ाएगी और एक रणनीति के रूप में यह बहुत कम मार्गों पर हमारी निर्भरता को कम करेगी जो आज हमारी समुद्री सुरक्षा के लिए हानिकारक हो सकते हैं और इससे लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में भी मदद मिलेगी।

स्टील डंप क्यों कर रहा चीन

चीन स्टील बाजार का सबसे दिग्गज खिलाड़ी है। लेकिन, वहां 2020 से डिमांड कमजोर है। चीन में प्रॉपर्टी संकट बढ़ने से चीजें और भी ज्यादा खराब हो गई। इससे स्टील का भाव कई साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। ऐसे में अपने स्टील को सस्ते भाव में भारत जैसे देशों में डंप करने लगा। चीन की बड़ी स्टील कंपनियों का मानना है कि वहां स्टील की डिमांड लंबे वक्त तक कमजोर बनी रहने वाली हैं। भारत के स्टील निर्माता लगातार सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि चीन की स्टील डंपिंग पर लगाम लगाई जाए, क्योंकि इससे घरेलू उद्योग बर्बाद हो रहा है।

अनिल अंबानी के चमकेंगे सितारे इलेक्ट्रिक कार बनाने की तैयारी में रिलायंस इन्फ्रा

अनिल अंबानी की रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर अब इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी इसके लिए जरूरी तैयारी भी कर रही है। उसने चीन की दिग्गज इलेक्ट्रिक कारमेकर बीवाईडी के पूर्व इंडिया हेड संजय गोपालकृष्णन को सलाहकार नियुक्त किया है। आइए जानते हैं कि क्या है अनिल अंबानी की पूरी तैयारी और क्या इससे सितारे दोबारा बुलंदियों पर पहुंच पाएंगे।

नई दिल्ली। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाला रिलायंस ग्रुप काफी मुश्किल दौर से गुजर रहा है। उनके कई कारोबार अच्छा नहीं कर रहे और उनके खिलाफ सेबी ने भी कुछ एक्शन लिया है। हालांकि, अब अनिल अंबानी के भी अच्छे दिन आ सकते हैं। उनकी कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर इलेक्ट्रिक कार और बैटरी मैन्युफैक्चरिंग में कदम रखने की योजना बना रही है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने चीन की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी बीवाईडी के पूर्व भारत प्रमुख संजय गोपालकृष्णन को सलाहकार नियुक्त किया है। उसने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की लागत का अध्ययन कराने के लिए बाहरी सलाहकार भी नियुक्त किए हैं।

इस संयंत्र की शुरुआती क्षमता 2.5 लाख वाहन प्रति वर्ष होगी, जिसे कुछ वर्षों में बढ़ाकर 7.5 लाख किया जा सकता है। इसके अलावा कंपनी 10 गीगावाट घंटा क्षमता वाला बैटरी मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र शुरू करने पर भी विचार कर रही है।

इसकी क्षमता को एक दशक में बढ़ाकर 75 जीडब्ल्यूएच किया जा सकेगा।

मुकेश अंबानी भी बनाएंगे बैटरी

अनिल अंबानी के भाई और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी बैटरी मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में उतरने वाले हैं। भारी उद्योग मंत्रालय ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 10 गीगावाट-ऑवर (जीडब्ल्यूएच) क्षमता वाले एडवांस्ड केमेस्ट्री सेल (एसीसी) बैट्री मैन्युक्चरिंग के लिए मुकेश अंबानी की अगुआई वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज को चुना है।

मंत्रालय के मुताबिक, गुणवत्ता और लागत मैकेनिज्म के आधार पर यह चयन किया गया है। एसीसी एनर्जी को स्टोर करने का एडवांस टेक्नोलाजी है जिसके तहत इलेक्ट्रिक एनर्जी को इलेक्ट्रोकेमिकल एनर्जी के रूप में स्टोर किया जाता है

और फिर जरूरत पड़ने पर उसे बिजली में बदला सकता है। इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर पावर बैक जैसी जगहों पर किया जा सकता है।

गणेश चतुर्थी 2024- मांगलिक कार्य में सर्वप्रथम क्यों होती है भगवान गणेश की पूजा

भाद्रपद माह के शुक्ल की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस वर्ष यह त्योहार आज यानी 07 सितंबर (Ganesh Chaturthi Kab Hai 2024) को देशभर में मनाया जा रहा है। घर में शुभ और मांगलिक कार्य के दौरान विधिपूर्वक महादेव के पुत्र के भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। आइए जानते हैं सबसे पहले गणेश की पूजा करने की वजह के बारे में।

नई दिल्ली। Ganesh Chaturthi 2024- भाद्रपद माह के शुक्ल की चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित है। सनातन धर्म में भगवान गणेश की उपासना का विशेष महत्व है। शुभ और मांगलिक कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने का विधान है। मान्यता है कि ऐसा करने से शुभ और मांगलिक कार्य सफल होते हैं।

क्या आपको पता है कि किसी खास अवसर पर सर्वप्रथम गणपति बप्पा की उपासना क्यों की जाती है। अगर नहीं पता, तो आइए जानते हैं इससे जुड़ी कथा के बारे में।

इसलिए होती है सबसे पहले गणेश जी की पूजा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार श्रेष्ठता को लेकर देवी-देवताओं के विचारों में मतभेद की स्थिति उत्पन्न हो गई। सभी अपने आप को श्रेष्ठ बताने लगे और सर्वप्रथम खुद को पूज्य कहने लगे। इस चर्चा में महर्षि नारद मौजूद थे। ऐसे में नारद जी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस विषय का उत्तर महादेव से जानने की कोशिश की जाए। इसके बाद सभी देवता शिव जी के पास पहुचें। सभी देवी-देवताओं की बात को सुनकर महादेव ने कहा कि आप सभी अपने वाहनों पर सवार होकर ब्रह्मांड की परिक्रमा कर आएं।

जो सबसे पहले ब्रह्मांड की परिक्रमा कर वापस आएगा। उन्हें विजयश्री मिलेगी और उनकी पूजा सर्वपथम की जाएगी। इसके पश्चात सभी देवी-देवता अपने वाहन पर सवार होकर परिक्रमा के लिए निकल पड़े। इस दौड़ में गणेश जी भी शामिल थे, लेकिन उन्होंने ब्रह्मांड की परिक्रमा नहीं लगाई।

इसके बदले में गणेश जी ने महादेव और मां पार्वती की परिक्रमा की और उन्हें प्रणाम किया। जब एक देवता ब्रह्मांड की परिक्रमा लगाकर आए, तो महादेव ने भगवान गणेश को विजेता घोषित कर दिया और कहा कि जीवन में माता और पिता से बढ़कर कोई नहीं है। जब आप माता और पिता की परिक्रमा कर लेते हैं, तो आपको किसी परिक्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती है। आज से भगवान गणेश की पूजा सर्वप्रथम की जाएगी। तभी से सबसे पहले गणपति बप्पा की पूजा की जाती है।

अपनी मर्जी से चुनें अपना कार्ड नेटवर्क, लागू हो गया RBI का नया नियम

RBI New Rules 2024 क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड में कार्ड नेटवर्क कंपनियों के नाम शामिल होते हैं। अक्सर हम नाम को नजरअंदाज कर देते हैं। बता दें कि आज से कार्ड नेटवर्क के नियमों में बदलाव होने वाला है। अब कस्टमर अपनी मर्जी से कार्ड नेटवर्क सेलेक्ट कर सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस नियम से संबंधित सर्कुलर मार्च में ही जारी कर दिया था।

नई दिल्ली। आप अपने डेबिट कार्ड (Debit Card) या क्रेडिट कार्ड (Credit Card) को ध्यान से देखें तो आपको उस पर वीजा (Visa), मास्टरकार्ड (Mastercard), रुपे (RuPay) आदि लिखा होगा। कई लोग इन्हें इग्नोर कर देते हैं। उन्हें लगता है कि यह उनके मतलब का नहीं है, जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है।

दरअसल, यह सभी कार्ड नेटवर्क (Card Network) है। जिस प्रकार मोबाइल में सिम कार्ड का नेटवर्क होता है। वैसे की क्रेडिट या डेबिट कार्ड का भी नेटवर्क होता है। इन कार्ड नेटवर्क कंपनी द्वारा ही कार्ड जारी किया जाता है। अभी तक कस्टमर को किस कार्ड नेटवर्क वाला कार्ड मिलेगा यह बैंक द्वारा तय किया जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। आज से कार्ड नेटवर्क के नए नियम जारी हो गए हैं।

कार्ड नेटवर्क के नए नियम (Card Network New Rule)

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने मार्च में कार्ड नेटवर्क को लेकर सर्कुलर (RBI Circular) जारी किया था। इस सर्कुलर के अनुसार अब बैंक या फिर नॉन-बैंक यानी एनबीएफसी (NBFC) किसी भी प्रकार के कार्ड जारी करने से पहले कस्टमर से पूछेंगे की वह कौन-सा कार्ड नेटवर्क सेलेक्ट करना चाहता है।

इसका मतलब है कि कस्टमर अपने मर्जी से कार्ड नेटवर्क चुन सकता है।

कार्ड नेटवर्क के कितने ऑप्शन है मौजूद

वर्तमान में बाजार में कार्ड नेटवर्क के 5 ऑप्शन मौजूद हैं। कस्टमर को वीजा, मास्टर कार्ड, रुपे, अमेरिकन एक्सप्रेस और डायनर क्लब में से कोई ऑप्शन को सेलेक्ट करना होगा। आरबीआई के इस फैसलों को पर एक्सपर्ट ने अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने बोला कि अगर ग्राहक अपने पसंद से कार्ड नेटवर्क सेलेक्ट करते हैं तो यह उनके लिए फायदेमंद साबित होगा।

टाटा के बाद अदाणी ग्रुप भी लगाएगा सेमीकंडक्टर प्लांट, इजरायल की मिलेगी मदद

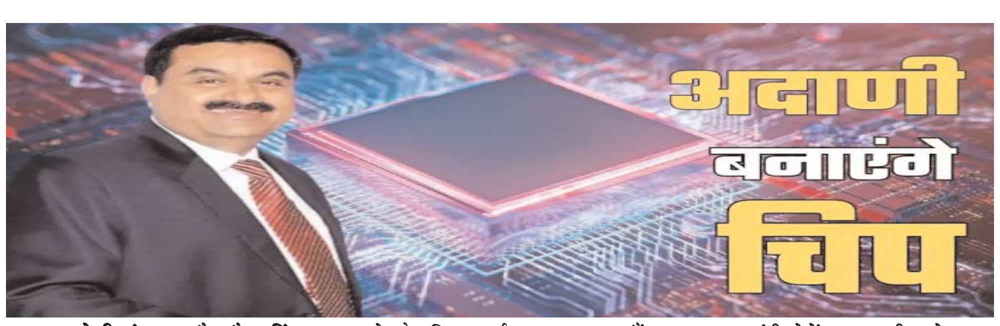

भारत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग का हब बनने के लिए जोरशोर से कदम उठा रहा है। टाटा ग्रुप दो सेमीकंडक्टर प्लांट लगा रहा है। अब अरबपति कारोबारी कारोबारी गौतम अदाणी का अदाणी ग्रुप भी सेमीकंडक्टर बनाने की दौड़ में शामिल हो गया है। टाटा के बाद अदाणी ग्रुप भी लगाएगा अदाणी समूह अभी तक बंदरगाह ट्रांसमिशन सीमेंट और कोयला कारोबार में हैं और चिप निर्माण समूह के लिए बिल्कुल नया अनुभव होगा।

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी का अदाणी समूह और इजरायल का टावर सेमीकंडक्टर महाराष्ट्र में 10 अरब डॉलर (83 हजार करोड़ रुपये) की लागत से सेमीकंडक्टर प्लांट लगाएंगे। इस बात की जानकारी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी। भारत ने वैश्विक चिप कंपनियों को देश में अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को दुनिया का चिपमेकर हब बनाने का लक्ष्य रखा है।

सेमीकंडक्टर की राह मुश्किल

ताइवान की फॉक्सकॉन ने पिछले साल जुलाई में भारतीय कंपनी वेदांता लिमिटेड के साथ 19.5 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर ज्वाइंट वेंचर से हाथ खींच लिया था।

इतना ही नहीं अबुधाबी स्थित नेक्स्ट आर्बिट वेंचर्स और टावर सेमीकंडक्टर भारत में तीन अरब डॉलर की लागत से एक उद्यम लगाने का एलान किया था, लेकिन बाद में यह योजना भी ठप हो गई। हालांकि शुरुआती असफलताओं के बावजूद भारत को उम्मीद है कि 2026 तक उसका सेमीकंडक्टर बाजार 63 अरब डॉलर का हो जाएगा।

अदाणी समूह अभी तक बंदरगाह, ट्रांसमिशन, सीमेंट और कोयला कारोबार में हैं और चिप निर्माण के क्षेत्र में कदम रखना उनके समूह के लिए बिल्कुल नया अनुभव होगा। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस संयंत्र में शुरुआत में 40 हजार वेफर्स बनाए जाएंगे।

विदेशी निवेश में महाराष्ट्र अव्वल

चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 की पहली तिमाही के दौरान सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने में महाराष्ट्र शीर्ष पर रहा है।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार, महाराष्ट्र को अप्रैल से जून के दौरान 70,795 करोड़ रुपये का एफडीआई मिला है। कर्नाटक 19,059 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आकर्षित करके दूसरे स्थान पर रहा। दिल्ली 10,788 करोड़ रुपये के साथ तीसरे, तेलंगाना 9,023 करोड़ रुपये के साथ चौथे, गुजरात 8,508 करोड़ रुपये के साथ पांचवें, तमिलनाडु 5,818 करोड़ रुपये के साथ छठे, उत्तर प्रदेश 370 करोड़ रुपये के साथ आठवें और राजस्थान 311 करोड़ रुपये के साथ नौवें स्थान पर है।

IRDAI ने बताया पॉलिसीहोल्डर को उनके अधिकार, अब कंपनियां नहीं कर पाएंगी मनमानी

Insurance Holder Rights कई बार पॉलिसी होल्डर पॉलिसी तो ले लेते हैं लेकिन वह अपने अधिकारों के बारे में नहीं जानते हैं। बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी IRDAI ने हाल ही में इसको लेकर मास्टर सर्कुलर जारी किया। इस सर्कुलर में इरडा ने पॉलिसीधारकों को उनके अधिकारों के बारे में बताया। आइए इस आर्टिकल में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। इंश्योरेंस धारकों को आसानी देने के लिए बीमा नियामक इरडा (IRDAI) द्वारा कई नियम जारी किये जाते हैं। अब इरडा ने पॉलिसी धारकों के लिए एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में नियामक ने पॉलिसीधारकों को उनके अधिकारों के बारे में बताया है।

अगर आपके पास भी लाइफ इंश्योरेंस (Life Insurance) या हेल्थ इंश्योरेंस (Health Insurance) है तो आपको अपने अधिकारों के बारे में जान लेना चाहिए ताकि कोई इंश्योरेंस कंपनी (Insuance Company) अपनी मनमानी न कर पाएं। हम आपको इस आर्टिकल में पॉलिसीधारकों के अधिकारों के बारे में बताएंगे।

फिजिकल कॉपी

अगर आप ऑनलाइन इंश्योरेंस करवाते हैं तो आपको ऑनलाइन सभी जानकारी मिल जाती है। लेकिन, अगर आप इंश्योरेंस की फिजिकल कॉपी लेना चाहते हैं तो वो भी आप आसानी से ले सकते हैं। इसके लिए कंपनी द्वारा मनाही नहीं की जाएगी। जी हां, कई बार पॉलिसीहोल्डर को लगता है कि उसनें ऑनलाइन पॉलिसी लिया है तो वह फिजिकल फॉर्मेट में कॉपी नहीं ले सकता है। लेकिन, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अगर पॉलिसीहोल्डर फिजिकल फॉर्मेट में कॉपी मांगता है तो इंश्योरेंस कंपनी उसे यह उपलब्ध करवाएगी। हालांकि, पॉलिसीधारक को इसके बारे में प्रपोजन फॉर्म में इसकी जानकारी देनी होगी कि वह फिजिकल फॉर्मेट में भी इंश्योरेंस की कॉपी चाहता है।

7 दिन के भीतर आंशिक निकासी

कई बार बीमा कंपनी यह कहती है कि आंशिक निकासी में काफी समय लगता है। जबकि ऐसा नहीं है। इरडा के नियमों के अनुसार अगर कस्टमर आंशिक निकासी करना चाहता है तो इंश्योरेंस कंपनी को इस काम के लिए केवल 7 कारोबारी दिन मिलते हैं। अगर 7 दिन से ज्यादा समय लगता है तो कंपनी को कस्टमर को बताना होगा कि आंशिक निकासी में देरी क्यों हो रही है।

इसके अलावा कंपनी जैसे ही प्रपोजल फॉर्म एक्सेप्ट करता है तो उसे उसके बाद पॉलिसी जारी करने में केवल 15 दिन का समय होता है। कंपनी कभी-भी प्रपोजल फॉर्म के साथ शुरुआती प्रीमियम नहीं ले सकती है। जब पॉलिसी जारी हो जाएगी उसके बाद ही कंपनी पॉलिसीहोल्डर से प्रीमियम ले सकती है।

कंपनी को पॉलिसी जारी होने के बाद कस्टमर को कुछ डॉक्यूमेंट देने होंगे। इंश्योरेंस कंपनी की जिम्मेदारी है कि पॉलिसी जारी होने के बाद वह पॉलिसीहोल्डर को कवरिंग लेटर, प्रपोजल फॉर्म की कॉपी, बेनिफिट इलस्ट्रेशन की कॉपी और सीआईएस यानी कस्टमर इन्फॉर्मेशन शीट उपलब्ध करवाएं।

वापस कर सकते हैं पॉलिसी

इरडा ने बताया कि पॉलिसीहोल्डर के पास 30 दिन का फ्री लुक पीरियड होता है। इसका मतलब है कि अगर किसी पॉलिसीधारक ने कोई पॉलिसी ली लेकिन बाद में उसे वह पॉलिसी पसंद नहीं आई तो वह इसे 30 दिन के भीतर वापस कर सकता है।

1 घंटे में होगा कैशलेस क्लेम

हेल्थ इंश्योरेंस में कैशलेस क्लेम की सुविधा मिलती है। पहले कैशलेस क्लेम के लिए पॉलिसीधारक को इंतजार करना होता था। लेकिन, अब ऐसा नहीं है। अगर पॉलिसीधारक ने कैशलेस क्लेम किया है तो उसका फैसला क्लेम के 1 घंटे के भीतर हो जाना चाहिए। अगर अस्पताल डिस्चार्ज कर रहा है तब 3 घंटे के भीतर फाइनल ऑथराइजेशन हो जाना चाहिए। अगर फाइनल ऑथराइजेशन में देरी होती है तो अस्पताल का अतिरिक्त खर्च बीमा कंपनी द्वारा भरा जाएगा।

ऑटोमैटिक अपडेट होगी पॉलिसी

अगर पॉलिसीधारक के पास कई पॉलिसी है और वह किसी एक पॉलिसी के तहत क्लेम करता है। लेकिन उस पॉलिसी का कवरेज कम पड़ जाता है तो दूसरी पॉलिसी ऑटोमैटिकली एक्टिव हो जाएगा। इसे ऐसे समझिए कि अगर आपके पास 1 लाख और 2 लाख रुपये की पॉलिसी है। आपने 1 लाख रुपये की पॉलिसी से 1.5 लाख रुपये का क्लेम किया है तो पहली पॉलिसी का कवरेज क्योंकि कम है तो दूसरी पॉलिसी ऑटोमैटिक अपडेट हो जाएगा। यानी 1 लाख रुपये की पॉलिसी से 1 लाख और दूसरी पॉलिसी से 50,000 रुपये का लाभ होगा।

भगवान विष्णु को ऐसे करें प्रसन्न, सभी पापों से मिलेगी मुक्ति

पंचांग के अनुसार परिवर्तिनी एकादशी व्रत 14 सितंबर (Parivartini Ekadashi 2024 Date) को किया जाएगा। हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को व्रत किया जाता है। यह तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि परिवर्तिनी एकादशी व्रत करने से साधक द्वारा जन्म-जन्मांतर में किए गए सारे पाप कट जाते हैं और जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

नई दिल्ली। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर परिवर्तिनी एकादशी व्रत किया जाता है। इस शुभ तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है।

साथ ही जीवन के दुखों को दूर करने के लिए व्रत भी किया जाता है। ऐसे में आप परिवर्तिनी एकादशी (Parivartini Ekadashi 2024) की पूजा के दौरान विष्णु चालीसा का पाठ जरूर करें। मान्यता है है कि इसका पाठ करने से साधक को सभी पापों से छुटकारा मिलता है।

परिवर्तिनी एकादशी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी (Parivartini Ekadashi Shubh Muhurat) तिथि शनिवार 13 सितंबर को रात 10 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन रविवार 14 सितंबर को रात 08 बजकर 41 मिनट पर होगा। ऐसे में 14 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी व्रत किया जाएगा।

राहुल द्रविड़ के फैन के साथ राजस्थान रॉयल्स ने कर दिया धोखा, यशस्वी जायसवाल का नाम लेकर बनाया बेवकूफ

अपनी कोचिंग में टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप-2024 का खिताब दिलाने वाले कोच राहुल द्रविड़ एक बार फिर आईपीएल में दिखाई देंगे। वह नौ साल बाद राजस्थान रॉयल्स में लौटे हैं। इसकी घोषणा एक दिन पहले ही हुई है और अगले दिन फ्रेंचाइजी ने राहुल के फैन के साथ प्रैंक कर दिया वो भी यशस्वी जायसवाल का नाम लेकर

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने हाल ही में अगले आईपीएल सीजन के लिए टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ को अपने साथ जोड़ा है।

वह टीम के हेड कोच होंगे। इसके एक दिन बाद ही फ्रेंचाइजी ने द्रविड़ के फैन के साथ धोखा कर दिया। फ्रेंचाइजी ने ये धोखा अपने बेहतरीन बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम लेकर किया।

दरअसल, फ्रेंचाइजी ने राहुल के बहुत बड़े फैन नील शाह के साथ एक प्रैंक किया। राहुल का ये फैन उनके नाम से इंस्टाग्राम पर एक फैन पेज चलाता है। वह राजस्थान रॉयल्स के भी फैन हैं। नील से फ्रेंचाइजी ने कहा कि उन्हें यशस्वी जायसवाल का इंटरव्यू करना है।

ये कहते हुए फ्रेंचाइजी ने उन्हें बुलाया। वह जब अपने कमरे में बैठे थे और जायसवाल का इंतजार कर रहे थे तब अचानक से उनके सामने राहुल द्रविड़ आ गए।

कांप गए नील

राहुल जैसे ही नील के सामने आए नील हैरान रह गए। वह कुछ कह नहीं पाए। राहुल ने उनसे बातें कीं और उनके परिवार के बारे में जाना। साथ ही राहुल ने नील का सपोर्ट करने के लिए शुक्रिया अदा किया। जब राहुल, नील से बातें कर रहे थे तब वह एक दम शांत खड़े थे। उन्हें देख लग रहा था कि उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि क्या कहा जाए।

राहुल ने जब बातें खत्म कर दी तब नील ने कहा, क्या मैं आपको गले लगा सकता हूं। नील अपने आप को जूनियर जैमी कहते हैं। जैमी राहुल का निकनेम है। उनकी व्हॉट्सएफ डीपी पर भी यही नाम है और राहुल की फोटो है। नील ने बताया कि वह 2008 से राहुल के फैन है।

भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच में जब राहुल ने मैच विजयी पारी खेली थी तब से वह उनके फैन हैं। फ्रेंचाइजी ने नील और राहुल की मुलाकात का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है।

बालों के ग्रोथ के लिए ऐसे करें कलौंजी के तेल का इस्तेमाल, आसानी से घर पर भी कर सकते हैं तैयार

बालों के टूटने और झड़ने (Hair Fall) से कई लोग परेशान रहते हैं। अगर आपके साथ भी ये परेशानी है तो आपको आज हम इस समस्या का बेहतरीन इलाज बताने जा रहे हैं। कलौंजी का तेल बालों के लिए काफी फायदेमंद (Benefits of Kalonji Oil) होता है। इसके तेल को बालों में हफ्ते में 2-3दिन लगाने से बाल काले लंबे और घने बनते हैं। आइए जानें कैले करें इसका इस्तेमाल।

नई दिल्ली। Hair Care Tips: कलौंजी निगेला सैटिवा नाम के एक छोटे पौधे से मिलती है। इससे पौधे से निकलने वाले छोटे-छोटे काले बीज को कलौंजी (Kalonji) के नाम से जाना जाता है। इन बीजों में थाइमोक्विनोन जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट्स के साथ-साथ ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड्स, विटामिन-ए, बी और सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हानिकारक फ्री रेडिकल्स को रोकने, बालों की ग्रोथ बढ़ाने, स्किन हेल्थ और इम्युनिटी बूस्ट करने में सहायक होते हैं।

कलौंजी का तेल के उपयोग कई तरह से स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। कलौंजी का तेल बालों की बेहतरीन ग्रोथ के लिए जाना जाता है (Kalonji Oil Benefits for Hair)। यदि आप भी अपने रूखे, बेजान और झड़ते बालों को फिर से काले, लंबे और घने बनाना चाहते हैं तो आइए जानते हैं, इसे बनाने और इस्तेमाल करने की विधि के बारे में।

कलौंजी का तेल बनाने की विधि

इसे बनाने के लिए एक पैन में 2 से 3 बड़े चम्मच कलौंजी के बीज डालें और उन्हें हल्का भुनें। इन्हें हल्की सुगंध आने तक इन्हें भुनें। अब भुने हुए बीजों को ठंडा होने पर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद एक छोटी कड़ाही में नारियल का तेल गर्म करें। जब तेल हल्का गर्म हो जाए तब उसमें पीसे हुए कलौंजी का पाउडर डालें। इस मिश्रण को धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकने दें। बीच-बीच में इसे चलाते रहें, ताकि बीज का पाउडर तेल में अच्छी तरह घुल जाए। ठंडा होने पर इसे छानकर एक कांच की बोतल में स्टोर करें। इस तेल को धूप से दूर, ठंडी और सूखी जगह पर रखें।

कलौंजी का तेल इस्तेमाल करने का तरीका

तेल को हल्का गर्म करें- जब भी इस्तेमाल करना हो एक बार इसे हल्का-सा गर्म कर लें। हल्का गुनगुना तेल स्कैल्प में बेहतर तरीके से अब्जॉर्ब होता है।

मसाज करें- उंगलियों की मदद से तेल को स्कैल्प में धीरे-धीरे लगाएं। सिर की जड़ों पर खास ध्यान दें। कम से कम 10-15 मिनट तक मसाज करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और तेल बालों की जड़ों तक पहुंचता है।

रातभर छोड़ें- तेल लगाने के बाद बालों को शॉवर कैप से ढक लें और रातभर ऐसे ही रहने दें। इससे तेल के पोषक तत्वों को पर्याप्त समय मिलता है स्कैल्प में गहराई तक पहुंचने का।

अगले दिन धो लें- सुबह किसी माइल्ड हर्बल शैंपू से बाल धो लें। ध्यान रखें पानी ज्यादा ठंडा न हो। बालों की बेहतरीन ग्रोथ के लिए इस प्रक्रिया को हफ्ते में 2-3 बार दोहराएं।

बालों के लिए कलौंजी के तेल के फायदे

बालों का झड़ना कम होता है ।
बालों की ग्रोथ में सुधार होता है।
रूसी से छुटकारा मिलता है ।
बाल घने और चमकदार बनते हैं ।

बेजान त्वचा और झड़ते बालों से पाना है छुटकारा, तो बायोटिन से भरपूर कुछ फूड्स को करें डाइट में शामिल

अगर आपके शरीर में बायोटिन की कमी है तो आप कितने ही स्किन और हेयक केयर प्रोडक्ट्स लगा लें उनका कोई खास असर नहीं नजर आने वाला। दरअसल बायोटिन स्किन और बालों को पोषण देता है और उनसे जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं। इसलिए इसकी कमी को पूरा करना जरूरी है। आइए जानें बायोटिन से भरपूर कुछ फूड्स के बारे में।

नई दिल्ली। शरीर को हेल्दी रखने के लिए कई सारे पोषक तत्वों की जरूरत होती है उन्हीं में से एक है बायोटिन। बायोटिन एक पानी में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए जरूरी माना जाता है। इसे विटामिन-बी7 के नाम से भी जाना जाता है।

बायोटिन खासतौर पर आपके शरीर में ऊर्जा उत्पादन, फैट्स के मेटाबोलिज्म और प्रोटीन सिंथेसिस में मदद करता है।

इतना ही नहीं, ये बालों, त्वचा और नाखूनों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। बायोटिन की कमी से बालों का झड़ना, त्वचा पर रैशेज और थकावट जैसी समस्याएं होने लगती हैं। इसलिए शरीर में बायोटिन का सही मात्रा में मौजूद होना जरूरी है। अगर आपके बाल भी बहुत ज्यादा झड़ रहे हैं या स्किन बेजान नजर आ रही है, तो ये बायोटिन की कमी के संकेत हो सकते हैं।

बायोटिन की कमी दूर करने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ फूड्स को शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं किन फूड आइटम्स (क्द्धश्नह्लद्धठ्ठ- ऋद्धष्द्ध स्न्रश्नश्स्रह्य) से बायोटिन की कमी पूरा कर सकते हैं।

अंडे

अंडे में अच्छी मात्रा में बायोटिन होता है। अंडे की जर्दी में लगभग 10 माइक्रोग्राम बायोटिन प्रति अंडा पाया जाता है। इसके अलावा इसमें प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स जैसे बादाम में 14 माइक्रोग्राम प्रति 100 ग्राम बादाम में पाया जाता है। वहीं चिया सीड्स में 0.2 माइक्रोग्राम प्रति 28 ग्राम पाया जाता है।

इसके अलावा इसमें प्रोटीन, विटामिन-ई भी पाया जाता है, जो बालों की ग्रोथ के लिए जरूरी माना जाता है।

मांस

यदि आप नॉन वेजिटेरियन है, तो मीट में लगभग 30-35 माइक्रोग्राम बायोटिन प्रति 100 ग्राम पाया जाता है। ये आपके बालों, त्वचा और नाखूनों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। हफ्ते में एक-दो बार मीट का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

एवोकाडो

एवोकाडो कई सारे पोषक तत्वों का खजाना माना जाता है। एक एवोकाडो में लगभग 2 माइक्रोग्राम बायोटिन पाया जाता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ई और सी भी पाया जाता है जो बालों की ग्रोथ और उन्हें जड़ से मजबूत बनाते हैं।

ब्रोकोली

ब्रोकली भी बायोटिन का अच्छा सोर्स है एक कप पकी हुई ब्रोकली में लगभल 0.4 माइक्रोग्राम बायोटिन पाया जाता है जो बालों को मजबूती प्रदान करता है।

मालिक का हमेशा एहसानमंद हूं, शाह रुख खान संग पुराने पलों को याद कर भावुक हुए ही-मैन धर्मेंद्र

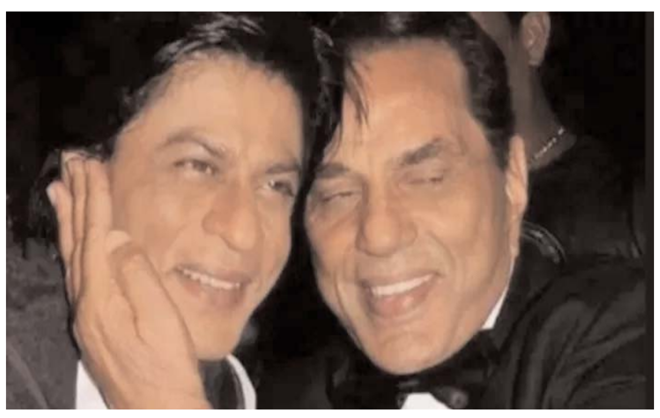

साल 1960 में फिल्म दिल भी तेरे हम भी तेरे से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाले धर्मेंद्र अपने फैंस के दिलों पर राज करते हैं। 88 साल की उम्र में भी वह फिल्मी पर्दे पर अपने दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। सोशल मीडिया पर भी ही-मैन पुरानी यादें ताजा करते हैं। हाल ही में उन्होंने शाह रुख खान के साथ प्यारी सी तस्वीर शेयर की।

नई दिल्ली। 60 के दशक से हिंदी सिनेमा पर राज कर रहे धर्मेंद्र को उनके फैंस बहुत चाहते हैं। एक से बढ़कर एक यादगार फिल्में देने वाले बॉलीवुड के ही मैन भी अपने चाहने वालों से कनेक्टेड होने का कोई मौका नहीं छोड़ते।

88 साल के धर्मेंद्र फिल्मों में भले ही अब कम दिखाई देते हो, लेकिन सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव रहते हैं और कभी सलमान खान, कभी दिलीप कुमार, मनोज कुमार और अपने बेटों सनी देओल और बॉबी देओल संग तस्वीर शेयर कर फैंस के चेहरों पर मुस्कान लेकर आते हैं।

अब हाल ही में शोले के वीरू ने बॉलीवुड के बादशाह शाह रुख खान के साथ एक पुरानी फोटो शेयर की है और कुछ पुरानी यादें ताजा की हैं। इन दोनों सुपरस्टार्स को साथ में देखकर फैंस भी गदगद हो उठे हैं।

शाह रुख को अवॉर्ड देते हुए फोटो की शेयर

शोला और शबनम एक्टर धर्मेंद्र ने कुछ देर पहले अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शाह रुख खान संग एक दिल छू लेने वाली फोटो शेयर की है। इस फोटो में दोनों ही सुपरस्टार्स ब्लू रंग के सूट में काफी हैंडसम और यंग लग रहे हैं।

ये फोटो एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान की है, जिसमें धर्मेंद्र किंग खान को अवॉर्ड देते हुए नजर आ रहे हैं और दोनों साथ में कैमरा के लिए स्माइल कर रहे हैं। थ्रो-बैक फोटो में दोनों सुपरस्टार्स की बॉन्डिंग साफ तौर पर देखने को मिल रही है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए ही-मैन धर्मेंद्र ने कैप्शन में लिखा, बेटे ही हैं ये सब, मालिक का हमेशा एहसानमंद हूं इस मुकद्दर के लिए।

यूजर्स बोले बहुत ही खूबसूरत तस्वीर है पाजी

धर्मेंद्र और शाह रुख की इस तस्वीर को देखकर फैंस भी काफी भावुक हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, वाह क्या बात है, काश ये सच में ही आपके बेटे होते धरम सर, आप दोनों से मुझे बहुत प्यार है। दूसरे यूजर ने लिखा, नमस्कार पापा जी, आपने बिल्कुल सही बात कही, सभी आपके बेटे ही तो हैं। सबके लिए इतना प्यार केवल आपके हृदय में ही हो सकता है।

कोमल हृदय से निकली अनमोल बात के लिए आपको दिल से नमन.. आपकी छोटी सी प्रशंसक। एक और अन्य यूजर ने लिखा, आप दोनों ही मेरे फेवरेट हैं। फैंस धर्मेंद्र की इस पोस्ट पर हार्ट वाले इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। शाह रुख खान और धर्मेंद्र की जोड़ी फिल्म ओम शांति ओम में देखने को मिली थी।

अंबानी परिवार ने गणपति बप्पा का किया ग्रैंड वेलकम, इन सितारों के घर भी पधारे भगवान

Ganesh Chaturthi का पर्व यूं तो पूरे देश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है लेकिन मुंबई शहर में एक अलग ही चमक देखने को मिलती है। बॉलीवुड और टीवी सेलेब्स अपने घर में बप्पा का धूमधाम से स्वागत करते हैं। आज गणेश चतुर्थी का पर्व है। इस खास मौके पर बीती रात को ही सेलिब्रिटीज ने अपने घर पर बप्पा का स्वागत किया है।

नई दिल्ली। आज यानी 7 सितंबर को पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जा रहा है। आम लोगों की तरह सेलिब्रिटीज भी बड़ी धूमधाम से यह पर्व मनाते हैं। सेलिब्रिटीज हर साल अपने घर पर बप्पा का आगमन करते हैं।

इस साल भी गणेश चतुर्थी के मौके पर कई सितारों ने अपने घर में बप्पा का स्वागत किया है। कुछ सेलेब्स तो बप्पा के दर्शन करने मंदिर भी गए।

बप्पा को लेने पहुंचीं भारती

भारती सिंह ने अपने बेटे गोला के साथ बप्पा का आगमन किया। वह गुलाबी रंग के सूट में बप्पा को लेने पहुंचीं। इस दौरान उनके लाडले बेटे गोला ने अपनी क्यूटनेस से सभी का ध्यान खींच लिया।

अंकिता लोखंडे ने महिला से मांगी माफी

मराठी मुल्गी अंकिता लोखंडे भी हर साल अपने घर पर बप्पा की स्थापना करती हैं। बीती शाम को जब वह बप्पा की मूर्ति लेने गईं तो पैपराजी की वजह से एक महिला की मूर्ति गिरते-गिरते बची, जिसके बाद वह गुस्सा हो गई। तब अंकिता ने उससे माफी मांगी और पैपराजी को शॉप से दूर रहने के लिए कहा।

ब्वॉयफ्रेंड संग मूर्ति लेने आई क्रिकेटर स्मृति मंधाना

बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छल अपने भाई पलाश मुच्छल के साथ भगवान गणेश का आगमन किया। वह मुंबई में गणेश मूर्ति लेते दिखीं।

इस दौरान पलक और पलाश ने मूर्ति पकड़ रखी थी। वहां पलाश की गर्लफ्रेंड और महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना (Smriti Mandhan) भी मौजूद थीं।

शरवरी वाघ के घर पर हुई पूजा

शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शिव-पार्वती पूजा की तस्वीर शेयर की है, लेकिन गणेश आगमन की झलक नहीं दिखाई है। शरवरी के घर पर भी हर साल गणेश चतुर्थी सेलिब्रेट किया जाता है।

हेल्दी वेट और एनर्जी के लिए जरूरी है हाई मेटाबॉलिज्म, इन 5 आदतों को अपनाकर करें इसे बूस्ट

स्वस्थ रहने और हेल्दी वेट मेंटेन करने के लिए मेटाबॉलिज्म हाई होना बेहद जरूरी है। यह शरीर को एनर्जी देने में भी मदद करता है। हालांकि हमारी खराब होती लाइफस्टाइल की वजह से अक्स मेटाबॉलिज्म कमजोर हो जाता है जिससे कई समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अपना लाइफस्टाइल में कुछ हेल्दी आदतों को अपनाकर आप अपना मेटाबॉलिज्म कर सकते हैं।

नई दिल्ली। हमारी डाइट में से पोषक तत्वों को फिल्टर कर के शरीर के जरूरी हिस्सों तक पहुंचाने के लिए मेटाबॉलिज्म अच्छा होना बहुत जरूरी है। ये शरीर को ऊर्जा देता है और बेसल मेटाबॉलिक रेट को भी प्रभावित करता है।

ऐसे में जरूरी है कि हमारा मेटाबॉलिज्म बेहतर हो और इसके लिए लाइफ में कुछ मामूली बदलाव कर आसानी से मेटाबॉलिज्म को बूस्ट किया जा सकता है।

हालांकि, कुछ लोगों को इस बात का अंदाजा नहीं होता है कि उनकी कौन सी आदतें उनका मेटाबोलिज्म धीमा कर रही हैं और उन्हें अपना मेटाबोलिज्म बूस्ट करने के लिए किन आदतों को आजमाना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने वाली 5 आदतों के बारे में-

भरपूर नींद लेना

नींद और मोटापे का सीधा संबंध है, जिससे मेटाबोलिज्म प्रभावित होता है। नींद पूरी न होने पर हंगर हार्मोन घ्रेलिन और पेट भरने का सिग्नल देने वाला हार्मोन लेप्टिन प्रभावित होता है।

इससे अनावश्यक क्रेविंग होती है और फिर वजन बढ़ने लगता है। इसलिए अच्छे मेटाबॉलिज्म के लिए नींद पूरी करना बेहद जरूरी है।

डाइट में शामिल करें भरपूर प्रोटीन

वजन कम करने के लिए अक्सर लोग खाना कम कर देते हैं, लेकिन यहां ये ध्यान देना जरूरी है कि खाना कम नहीं, बल्कि पौष्टिक होना चाहिए जिससे वजन कम होने के साथ पेट भी भरा रहे और शरीर का मेटाबॉलिज्म भी बूस्ट हो।

इसलिए डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ानी चाहिए, जिससे मेटाबॉलिज्म बूस्ट हो और ज्यादा कैलोरी बर्न करने में मदद मिले।

वर्कआउट करें

अच्छे मेटाबॉलिज्म के फिजिकल एक्टिविटी बेहद जरूरी होती है। ऐसे में आप चाहे एक्सरसाइज करें, योग करें, जॉग करें या वॉक करें, शरीर को मूव कराना बहुत जरूरी होता है।

शरीर जितना मूव करेगा मेटाबॉलिक रेट उतना ही अच्छा होगा। इसलिए कोशिश करें कि आप फिजिकल रूप से एक्टिव रहें।

ज्यादा देर भूखा न रहें

जहां ये धारणा है कि भूखा रहने से वजन कम होता है, तो वहीं सच्चाई ये है कि इस दौरान कम कैलोरी लेने से मेटाबोलिक रेट भी कम होता है। इसलिए हाई मेटाबॉलिज्म के लिए कभी भी भूखा नहीं रहना चाहिए। थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ न कुछ खाना खाते रहने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है।

सभ्यता सीखने की जरूरत, तमन्ना भाटिया को राधा बनना पड़ा भारी, ट्रोलिंग के बाद डिलीट की फोटोज

नई दिल्ली। बी-टाउन और साउथ की ग्लैमर क्वीन तमन्ना भाटिया यूं तो कई खूबसूरत हीरोइनों के ऊपर भारी पड़ती हैं, लेकिन उनकी हालिया तस्वीरों ने फैंस को नाराज कर दिया। बुरी तरह ट्रोलिंग के बाद एक्ट्रेस को आखिरकार अपनी फोटोज को सोशल मीडिया से हटाना पड़ा।

राधा बनी थीं तमन्ना भाटिया

हुआ यूं कि तमन्ना भाटिया ने पिछले महीने राधा बनकर एक फोटोशूट कराया था जिसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर धड़ल्ले से वायरल हुई थीं। अलग-अलग लुक में राधा बनीं तमन्ना ने अपनी तस्वीरों से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी थी। कहीं जंगलों के बीच ऑन-स्क्रीन कान्हा के साथ तमन्ना ने पोज दिया तो कहीं फूल का मुकुट और हाथ में मोरनी का पंख लिए फोटोज क्लिक कराईं। तमन्ना भाटिया की राधा वाली फोटोज जैसे ही सोशल मीडिया पर सामने आईं, कुछ लोगों ने उन्हें बुरी तरह ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने कहा, बकवास बंद करो। एक ने कहा, प्लीज मैम, क्लीवेज मत दिखाइए। राधा जी का सम्मान कीजिए। एक और ने कहा, हमारी राधारानी जैसी कोई नहीं और यह तो बिल्कुल भी नहीं। एक यूजर ने लिखा, वह राधारानी जैसी नहीं लगती। राधा रानी का कैरेक्टर निभाने से पहले उन्हें सभ्यता सीखने की जरूरत है।

तमन्ना भाटिया ने डिलीट कीं फोटोज

तमन्ना भाटिया ने ट्रोलिंग के बाद अब इंस्टाग्राम अकाउंट से राधा वाली फोटोशूट की तस्वीरें हटा दी हैं। हालांकि, अभी तक उन्होंने इस फोटोशूट को लेकर हो रही ट्रोलिंग पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

आइटम सॉन्ग से मचाई सनसनी

राधा फोटोशूट से पहले तमन्ना भाटिया ने स्त्री 2 में आइटम नंबर किया है। आज की रात गाने पर तमन्ना ने कातिलाना अदाएं देख सभी को दीवाना बना दिया था। उन्होंने फिल्म में शमा का किरदार निभाया है। बात करें फिल्मों की तो वह स्त्री 2 के साथ-साथ 15 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म वेदा में जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ के साथ नजर आई थीं।

चंदेरी की स्त्री ने बॉक्स ऑफिस पर जमाई धाक, दर्शकों को डराकर कमा लिए इतने करोड़

दिनेश विजान निर्मित फिल्म स्त्री 2 का आतंक बॉक्स ऑफिस पर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। तभी से सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों को ठेंगा दिखाकर आज वह 500 करोड़ की मालकिन बन गई है। 23वें दिन भी कमाई की रफ्तार कम नहीं हो रही है।

नई दिल्ली। स्त्री 2- सरकटे का आतंक ने सिर्फ चंदेरी ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर भी दहशत फैला दी है। 500 करोड़ का आंकड़ा पार करने के बावजूद स्त्री 2 थमने का नाम ले रही है। वीकेंड तो छोड़ो, यह हॉरर-कॉमेडी तो वीकडेज में भी जमकर धमाका कर रही है।अमर कौशिक के निर्देशन में बनी स्त्री 2 यूं तो 15 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिल्म के कुछ शोज 14 अगस्त की शाम से ही शुरू हो गए थे। 2018 में आई स्त्री की सफलता के बाद से ही सीक्वल का इंतजार हो रहा था ओपनिंग डे पर फिल्म धमाल मचाएगी और हुआ भी ऐसा ही। पहले दिन स्त्री 2 ने 64 करोड़ से खाता खोला था।

स्त्री 2 का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर स्त्री 2 का रौब खत्म नहीं हो रहा है। तीन हफ्ते में फिल्म ने 500 करोड़ रुपये कमा लिए थे। अब चौथे हफ्ते की शुरुआत में ही स्त्री 2 ने फिर तहलका मचा दिया है। सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक, दिनेश विजान निर्मित फिल्म ने 23वें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 4.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

फोन से चिपके रहने की आदत बना सकती है दिमाग को खोखला, डिजिटल डिमेंशिया से बचने के लिए करें ये काम

स्मार्टफोन और लैपटॉप हमारी लाइफ का ऐसा हिस्सा बन चुके हैं जिनके बिना एक घंटा रहना भी मुश्किल है। वैसे तो इनकी वजह से हमारी जिंदगी काफी आसान बन चुकी है लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल डिजिटल डिमेंशिया की वजह बन सकता है। अगर आप भी अपने दिनभर इन गैजेट्स का इस्तेमाल करते हैं तो आइए जानें क्या होता है डिजिटल डिमेंशिया और बचाव के तरीके।

नई दिल्ली। फोन, लैपटॉप जैसे गैजेट्स हमारी लाइफ का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इनके बिना अब जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल लगता है। अपने काम से लेकर मनोरंजन और संचार के लिए भी हम इन्हीं उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा कह सकते हैं कि हम इन पर काफी हद तक 'निर्भर' हो चुके हैं। लेकिन इनके ज्यादा इस्तेमाल से हमारी सेहत पर काफी दुष्प्रभाव पड़ते हैं। अब तक हम यही मानते थे कि इनके कारण मोटापा, आंखें खराब होना, एंग्जायटी जैसी परेशानियां ही होती हैं। लेकिन कुछ समय से इससे जुड़ी एक नई समस्या सामने आ रही है, जिसे डिजिटल डिमेंशिया कहा जाता है।

डिजिटल डिमेंशिया एक ऐसा शब्द है, जो हाल के वर्षों में काफी चर्चा में आया है। यह एक ऐसी स्थिति के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें तकनीकी उपकरणों के ज्यादा इस्तेमाल के कारण संज्ञानात्मक क्षमता कम हो जाती है। हालांकि, इस समस्या को चिकित्सीय रूप से मान्यता नहीं मिली है, फिर भी इसके बारे में जानकारी होना जरूरी है। इस आर्टिकल में हम डिजिटल डिमेंशिया के लक्षण और इससे बचाव के तरीकों के बारे में जानने की कोशिश करेंगे।

डिजिटल डिमेंशिया के लक्षण कैसे होते हैं

फोकस की कमी- जानकारी को इकट्ठा करने और स्टोर रखने में कठिनाई।

याददाश्त की समस्याएं- हाल की घटनाओं को याद रखने में परेशानी।

सीखने की कठिनाई- नई जानकारी को समझने में दिक्कत होना।

समय और दिशा का पता लगाने में परेशानी- स्थान, दिशा और समय का ठीक से पता न लगा पाना।

निर्णय लेने में कठिनाई- ऑप्शन्स का विश्लेषण करके, सही फैसला लेने में चुनौतियां।

डिजिटल डिमेंशिया के कारण क्या हैं?

ज्यादा स्क्रीन टाइम- लंबे समय तक कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टीवी आदि का इस्तेमाल करना।

मल्टी-टास्किंग- एक ही समय में कई काम करने की कोशिश करना।

नींद की कमी- भरपूर नींद न लेना या बार-बार नींद का टूटना।

तनाव और चिंता- मेंटल प्रेशर के कारण संज्ञानात्मक क्षमता प्रभावित हो सकती है।

डिजिटल डिमेंशिया से बचने के टिप्स

स्क्रीन टाइम सीमित करें- फोन, लैपटॉप आदि के इस्तेमाल का समय नियंत्रित करें।

डिजिटल डिटॉक्स- समय-समय पर तकनीकी उपकरणों से पूरी तरह से दूर रहें।

आंखों का ध्यान रखें- नियमित रूप से आंखों को आराम दें और लैपटॉप की स्क्रीन पर ब्लू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें।

आउटडोर एक्टिविटीज में शामिल हों- नेचर में समय बिताएं और फिजिकल एक्टिविटी में भाग लें।

पूरी नींद लें- रात में 7-9 घंटे की नींद लें। सोने के कमरे में अंधेरा करें और वातारवरण को शांत रखने की कोशिश करें।

स्ट्रेस मैनेजमेंट की प्रैक्टिस करें- योग, मेडिटेशन या गहरी सांस लेने जैसी तकनीकों से तनाव को कम करने में मदद मिलती है।

ब्रेन स्टिमुलेटिंग एक्टिविटीज- नक्शे पढ़ना, समय बताने या दिशाओं का पता लगाने की प्रैक्टिस करें। पहेलियां, शतरंज, जैसी ब्रेन टीजर एक्टिविटीज करें।

सोशल कनेक्शन बनाए रखें- दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं।

हेल्दी डाइट खाएं- पोषक तत्वों से भरपूर फूड आइटम्स का सेवन करें।

डिजिटल डिमेंशिया से बचने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना जरूरी है। तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें और अपनी दिमागी और शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान रखें। याद रखें, तकनीकी उपकरण हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए हैं, लेकिन हमें उनका गुलाम बनने की जरूरत नहीं है।

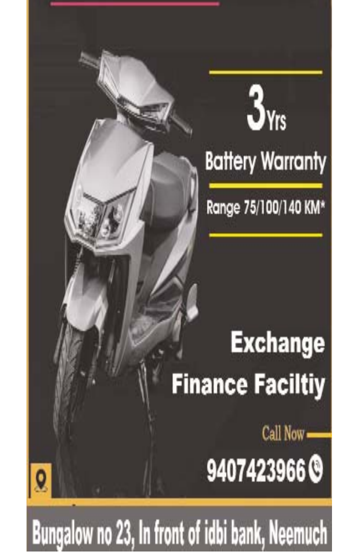

नीमच में आकर्षण का केंद्र बना गणपति ग्रुप के गुजरात गणेश, बप्पा का रोजाना नए रूप में किया जा रहा श्रृंगार

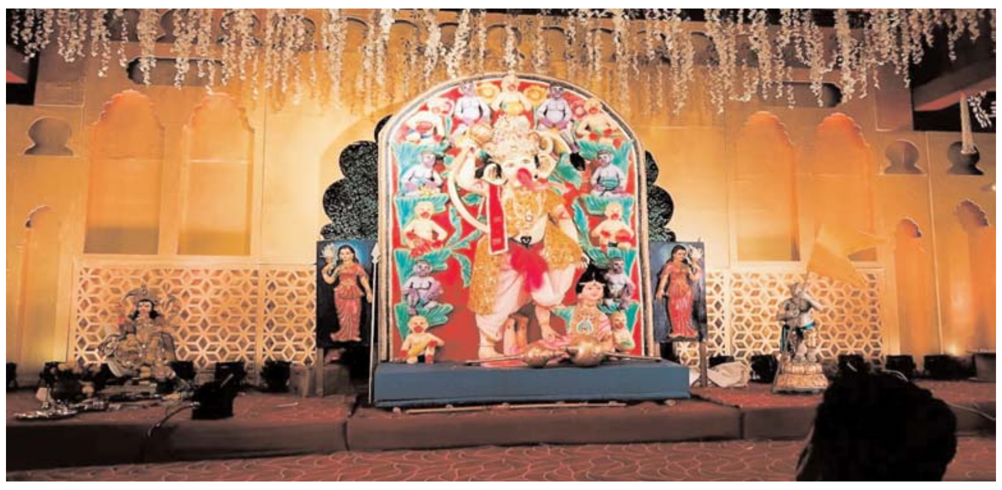

कष्ट भन्जन भगवान हनुमान बने कष्ट भंजन देव गणेश

नीमच। गणेशोत्सव के चलते पूरा नगर गजानन की आराधना में डूब गया है। देर रात तक पंडालों में प्रथम पूज्य देव गणेश को सजाने की तैयारियां चलती है। वही जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने भी गणेश उत्सव के मद्देनजर कमर कस रखी है। कई लोगों ने अपने घरों में विघ्नहर्ता, सुख-समृद्धि के देवता भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना की हैं। लेकिन नीमच शहर में एक गणेश प्रतिमा लोगों के बीच चर्चा बनी हुई है। आपको बता दें कि यह भगवान गणेश की प्रतिमा नीमच के दशहरा मैदान में गणपति ग्रुप द्वारा बैठाई गई है।

इस दौरान गणपति ग्रुप के सदस्यों ने बताया की नीमच जिले में भक्ति और आस्था का पर्व गणेशोत्सव व गणपति ग्रुप के 21 वर्ष पूरा हो 22 वे वर्ष में प्रवेश पर गणपति ग्रुप द्वारा भगवान गणपति का 70 बाय 130 स्क्वायर फिट का वाटर प्रूफ भव्य पंडाल दशहरा मैदान में तैयार किया गया है। 10 दिवसीय पूजनोत्सव के दौरान गणपति ग्रुप द्वारा गणपति प्रतिमा को गुजरात के सबसे लोकप्रिय मंदिरों में से एक सारंगपुर के कष्टभंजन हनुमान का रूप दिया गया है। वही पूरे पंडाल को कष्टभंजन हनुमान मंदिर के किले की तरह प्रदर्शित किया गया है। गुजरात के सारंगपुर का कष्टभंजन हनुमान मंदिर किसी किले की तरह दिखाई देता है। इसका स्वरूप बहुत ही भव्य है। मंदिर अपने पौराणिक महत्व, सुंदरता और भव्यता की वजह से काफी प्रसिद्ध है। कष्टभंजन हनुमानजी सोने के सिंहासन पर विराजमान हैं। हनुमानजी की प्रतिमा के आसपास वानर सेना दिखाई देती है। हनुमानजी के साथ ही शनिदेव स्त्री रूप में भी विराजित हैं। शनि हनुमानजी के चरणों में स्त्री के रूप में बैठे हैं।

कष्ट भंजन देव गणेश की प्रतिमा हुई स्थापित

पुरे पंडाल में सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही निजी सुरक्षा कर्मी की भी तैनाती की गई है। वहीं, दशहरा मैदान में स्थित इस किले के पंडाल पर उत्कृष्ट कलाकारों द्वारा विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की अति आकर्षक गुजरात के सारंगपुर वाले कष्टभंजन हनुमान की प्रतिमा स्थापित की गई है। जिसकी ऊंचाई 14 फीट है। वही मूर्ति का आकर्षण देखते ही बन रहा है। कष्ट भंजन देव गणेश की प्रतिमा हूबहू कष्ट भंजन हनुमान का रूप प्रदर्शित कर रही है, जो कि नगरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

` है हनुमानजी और शनि से जुड़ी कथा

मान्यता है कि प्राचीन समय में शनिदेव का प्रकोप काफी बढ़ गया था। लोगों को कई दुखों और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। शनि से बचाने के लिए भक्तों ने हनुमानजी से प्रार्थना की। तब हनुमानजी ने शनिदेव को दंड देने का निश्चय किया। जब शनिदेव को ये बात पता चली तो वे डर गए थे। शनिदेव ये बात जानते थे कि हनुमानजी बाल ब्रह्मचारी हैं और वे स्त्रियों पर हाथ नहीं उठाते हैं। इसलिए शनि ने स्त्री का रूप धारण कर लिया और हनुमानजी के चरणों में गिरकर क्षमा मांगने लगे। हनुमानजी ने शनिदेव को क्षमा कर दिया। क्षमा मिलने के बाद शनिदेव ने हनुमान से कहा कि उनके भक्तों पर शनि दोष का असर नहीं होगा। इस मंदिर में इसी प्रसंग के आधार पर शनिदेव को हनुमानजी के चरणों में स्त्री रूप में पूजा जाता है। भक्तों के कष्टों का निवारण करने की वजह से इस मंदिर को कष्टभंजन हनुमान मंदिर के नाम से जाना जाता है।

प्रतिदिन हो रहा हनुमान चालीसा का पाठ

यहाँ कष्ट भंजन देव गणेश के रूप में विराजित मालवा के राजा गणपति बप्पा का प्रतिदिन नए रूप में श्रृंगार तो किया ही जा रहा है। इसके अलावा, झांकी व दीपोत्सव व अन्य आयोजन के साथ ही प्रतिदिन शाम को आरती के पश्चात् हनुमान चालीसा का पाठ बढ़ते क्रमानुसार किया जा रहा है।

यह आयोजन किये जायेंगे -

11 क्विंटल हरी सब्जियों से कष्ट भंजन देव गणेश का बंगला बना कर श्रृंगार किया जायेगा।

मंत्रोच्चारण के साथ गंगा आरती वाराणसी के पंडो द्वारा की जाएगी, इस दौरान कष्ट भंजन देव गणेश की प्रतिमा का स्वर्ण (सोने) से श्रृंगार किया जायेगा।

21 क्विंटल फलों से कष्ट भंजन देव गणेश का बंगला बना कर श्रृंगार किया जायेगा।

5 क्विंटल फूलों से कष्ट भंजन देव गणेश का बंगला बना कर श्रृंगार किया जायेगा।

सांवरिया सेठ का दरबार जिसमें 56 भोग के साथ 1 क्विंटल माखन मिश्री के प्रसाद का भोग लगाया जायेगा।

गुरुकुल के पंडो द्वारा गणपति अथर्वशीर्ष का 501 बार पाठ किया जाएगा।

प्राचीन बावड़ी वाले बालाजी स्थित श्याम मंदिर भक्त मंडल द्वारा मधुर भजनों पर ताली बजाते हुए श्याम प्रेमियों द्वारा ताली कीर्तन किया जाएगा।

मालवा के राजा को महाभोग लगाकर महाआरती का आयोजन होगा।

कष्ट भंजन देव गणेश का एक दिन ड्राय फ्रूट (सूखे मेवे) से तो दूसरे दिन चॉकलेट से श्रृंगार किया जायेगा।

खजाने का किया जाएगा वितरण

गणेशजी की आराधना बहुत मंगलकारी मानी जाती है। ऐसे में मालवा मेवाड़ के सेठ भगवान श्री सांवरिया सेठ का दरबार लगा कर माखन मिश्री के प्रसाद के संग भगवान श्री सांवरिया सेठ के खजाने का भक्तो को वितरण किया जायेगा। इसके अलावा, प्रतिदिन भक्तो को शुद्ध देशी घी से निर्मित प्रसाद का भी वितरण किया जा रहा है।

बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालु

इस दौरान गणपति ग्रुप के गणेशोत्सव में सबसे मुख्य आकर्षण श्रद्धालूओं द्वारा भगवान गणेश को चढ़ाये जाने लड्डू भी है। यहाँ देशी घी से निर्मित शुद्ध लड्डू का भगवान गणेश को भोग लगाने के बाद भक्तो को प्रसाद के रूप में उपलब्ध हो रहे है।

नाथ सम्प्रदाय ने समाधि स्थान आवंटन की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

नीमच। राष्ट्रीय नाथ संप्रदाय जिला नीमच के तत्वावधान में नाथ संप्रदाय के लोग बड़ी संख्या में रैली के रूप में जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। जिला कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर के प्रतिनिधि एसडीएम ममता खेड़े को सोंपा। हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन के माध्यम से बताया कि नीमच जिले के नाथ परिवारों से संबंधित होकर नाथ सम्प्रदाय के रीति रिवाजों एवं यह संस्कारों के अनुरुप पालन करते आ रहे है। गत दिनों रविन्द्र भवन भोपाल में आयोजित अर्द्ध धुक्मक्कड सम्मेलन में मुख्यमंत्री मोहन जी यादव द्वारा गोरक्षनाथ जी की परम्पराओं को जो अनादि काल से चली आ रही है के संबंध में जो शब्द अपने अभिभाषण में उपयोग किये गये %समाधि प्रथा को बंद कर अंतिम संस्कार चालू करें% बयान से नाथ संप्रदाय व्यथित है ज्ञापन के माध्यम से ध्यान आकर्षित कराना चाहते है कि नाथ सम्प्रदाय की प्राचीनतम व अनादिकाल से चली आ रही परम्पराओं जो स्वयं भगवान भोलेनाथ द्वारा चलाई गई है।

इसी परम्परा के अंतर्गत महान अवतारी पुरुष भी दीक्षित हुए है। जिस परम्परा में नाथ सम्प्रदाय के आराध्य श्री गौरक्षनाथ जी द्वारा चलाये गये योग व शिक्षा मार्ग को पूरा विश्व योग को स्वीकार करते हुए 21 जून को योग दिवस के रूप में मना रहा है। इसी परम्परा में समाधि प्रथा अपने आप में महत्वपूर्ण है। इसी के तहत संपूर्ण समाज संतों की समाधि स्थल पर शीष नवाते हुए उनके द्वारा किये गये कार्यो से प्रेरित होता आ रहा है। आज भी गौरक्षनाथजी के इस मार्ग पर उनके हजारों अनुयायी पूर्ववत: पालन करते आ रहे है इसी परम्परा के तहत भारत के लोक देवता बाबा रामदेवजी महाराज की समाधि बनाई गई है।

जिनके दर्शनों हेतु हजारों लाखों भक्तगण रुनिजा राजस्थान जाते है। इसी परम्परा के अनुपालन में गोगावीर जो बाबा गुरुगौरक्षनाथ जी के शिष्य थे, वाल्मीकि समाज के अनेक उद्धारक सहित राजस्थान के सवाई भोज में बाबा रुपनाथ का नाम उल्लेखनीय है। ये सभी नाथ सम्प्रदाय के है। इसी कडी में मच्छीन्दरनाथ जी, लीम नाथ व पारस नाथ जो जिनके द्वारा सकल जैन समाज का विस्तार किया गया इसी परम्परा के अनुयायी थे।

गौरक्षनाथजी महाराज के शिष्य परशुरामजी द्वारा भी ब्राह्मण समाज का उत्थान किया गया हैऔर सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया है। इसी प्रकार उज्जैन के सम्राट राजा भृतहरि ने भी गौरक्ष नाथ जी से दीक्षा प्राप्त कर भरत वैराग्य पंत राता रुण्डा जिला नागौर राजस्थान में स्थित है जहाँ पर गौरक्षनाथ जी के द्वारा कर्णछेदन किया जो नाथ सम्प्रदाय की प्रधान पीठ है। इसी कडी में राजा भृतहरि महाराज की समाधि राजस्थान में अलवर जिले में भृतहरिचीड में स्थित है। इसी परम्परा में संतों ने वर्तमान काल खण्ड में सनातन संस्कृति की रक्षा हेतु विश्व हिन्दू परिषद द्वारा चलाये गये राम जन्म मुक्ति आंदोलन में भी इस सम्प्रदाय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसी मुक्ति आंदोलन की समिति में अध्यक्ष बनने के लिये कोई तैयार नहीं था तब इस चुनौती पूर्ण पद को महंत अवैध नाथ जी द्वारा ग्रहण किया गया जो आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ जी जो कि आज एक सफल मुख्यमंत्री है जो इस गौरक्षनाथ पीठ के पीठाधीश्वर है।

योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रधानमंत्री जी को व भारत के गृहमंत्री अमितजी शाह को व कई राज्यों के जिसमें प्रमुख शिवराजसिंह जी चौहान, नरेन्द्रसिंह जी तौमर सहित अन्य केबिनेट मंत्री व नेताओं को को आमंत्रित इस समाधि का लोकार्पण लोकार्पण किया गया। यही नाथ सम्प्रदाय की परम्परा है और यदि यह परम्परा गलत प्रतीत होती तो प्रधानमंत्री जी, मुख्यमंत्रीजी व कई कैबिनेट मंत्री इस पर अपनी सहमति प्रदान नहीं करते और इस परम्परा को बनाए रखने का अपने अभिभाषण में उल्लेख नहीं करते। मुख्यमंत्री मोहन जी यादव जिस परम्परा या वर्ग से आते है उस वर्ग ने भी नाथ परम्परा से दीक्षा ली है उनमें से बाबा खेतानाथजी, बाबा चाँदनाथजी जो कि पूर्व सांसद अलवर, बाबा बालकनाथ जी वर्तमान में विधायक स्थल बोर गादी के पीठाधीश्वर व पतंजलि के बाबा रामदेव भी नाथ सम्प्रदाय की योग शिक्षा को ग्रहण कर संपूर्ण विश्व में धर्म संस्कृति के संवाहक बने हुए है।उक्त परम्पराओं को देखते हुए मुख्यमंत्री जी की सलाह उचित नहीं है।

भारतीय संविधान की धारा 25 व 26 में सभी को अपने अपने धर्म को मानने का व पालन करने की अनुमति प्रदान की गई है मुख्यमंत्री जी से मांग है की समस्त नाथ सम्प्रदाय जो कि संपूर्ण भारत में बसने के साथ साथ अन्य देशों में भी निवासरत है उसी कडी में मध्यप्रदेश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत नाथ सम्प्रदाय हेतु समाधि के लिये दूसरे वर्गों की तरह जैसे क्रिश्चियन, मुस्लिम को भूमि दी गई है उसी तरह नाथ सम्प्रदाय को भी कलेक्टर राजस्व के माध्यम से समाधि स्थल हेतु भूमि आवंटित करने की स्वीकृति प्रदान करें।

ऐसी अपेक्षा पूरा सम्प्रदाय रखता है, और उम्मीद करता है मुख्यमंत्री श्री यादव के द्वारा दिये गये कथित शब्द को वापस लेकर सम्पूर्ण नाथ सम्प्रदाय को अनुग्रहित करेंगे । ज्ञापन के अवसर पर नाथ सम्प्रदाय के अनुयायी महंत श्री लालनाथ योगी आसन दरियानाथ मठ, सुखानन्द रोड, जावद ,भीमनाथ योगी,गोपाल नाथ योगी, भगवान नाथ योगी, रतन नाथ योगी, सहित जिले व अंचल से बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन समाज ने हर्षोल्लास से मनाया क्षमापना महापर्व

सिंगोली। स्थानीय श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्री संघ ने शीतल स्वाध्यायी संघ के वरिष्ठ स्वाध्यायी सुशील सुराणा एवं यश पगारिया के सानिध्य में पर्युषण पर्व धर्म अराधना करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाए और दिनांक 8 सितंबर को पर्युषण पर्व के आठवें दिवस संवत्सरी पर्व मनाते हुए प्रतिक्रमण के दौरान संसार की 84 लाख जिवायोनी से क्षमायाचना की गई। संघ द्वारा दिनांक 9 सितंबर को क्षमापना महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें दोपहर 1 बजे श्री वर्धमान स्थानक भवन से शौभायात्रा निकाली गई जो नगर भ्रमण कर पुन: स्थानक भवन पहुंची जहां धर्मसभा हुई जिसमें क्षमा के महत्व पर अनेक लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। धर्मसभा के पश्चात सामुहिक क्षमापना का कार्यक्रम हुआ जिसमें सभी ने एक दूसरे से क्षमा याचना कर वर्ष भर में हुई भूलों के लिए क्षमा मांगी। क्षमापना के बाद सामुहिक स्नेहभोज का आयोजन भी स्थानक भवन पर ही आयोजित हुआ।

43 सिद्धि तप के तपस्वियों का सामूहिक एतिहासिक वरघोडा निकाल कर किया बहुमान, उमडा आस्था का जनसैलाब

तपस्वियों की अनुमोदना में लगी जय जयकार...., धर्म तपस्या से सराबोर हुआ नीमच नगर, तपस्या की अनुमोदना तपस्या से ही करना चाहिए--आचार्य जिन सुंदर सुरीश्वर जी महाराज साहब जी मसा,

नीमच। आचार्य जिन सुंदर सुरीश्वर श्रीजी महाराज व आचार्य धर्म बोधी जी मसा की पावन निश्रा एवं जैन श्वेतांबर श्री भीड़ भंजन पार्श्वनाथ मंदिर श्री संघ ट्रस्ट पुस्तक बाजार के तत्वावधान में मिडिल स्कूल मैदान स्थित जैन भवन में43 सिद्धितप ,व 1 मासश्रमण तप, सहित विभिन्न तपस्वीयों के सम्मान में भव्य वरघोड़ा निकाल कर श्रीसंघ द्वारा मिडिल स्कूल मैदान पर

आयोजित धर्म सभा में आचार्य जिन सुंदर सुरीश्वर जी महाराज साहब ने कहा कि तपस्या की अनुमोदना तपस्या से करना चाहिए तो हमारी आत्मा का कल्याण हो सकता है।

मोक्ष तो सभी जाना चाहते हैं लेकिन तपस्या कोई करना नहीं चाहता है। मशीनी युग में हर व्यक्ति धन के पीछे भाग रहा है ऐसे में सिद्धि तप की तपस्या करने वाले ये तपस्वी अनुमोदना के पात्र है। तपस्या से आत्मा पवित्र होती है। शरीर स्वस्थ होता है। तपस्या के बिना आत्म कल्याण संभव नहीं है। तपस्या मोक्ष का प्रवेश द्वार है।

इस अवसर पर

पूज्य आचार्य भगवंत श्री जिनसुंदर सुरीश्वर जी मसा , धर्म बोधी सुरी श्री जी महाराज, तत्वरुचि महाराज साहब , साध्वी पुण्य रेखा श्रीजी, साध्वी दृष्टि रेखा श्रीजी,

आदि ठाणा 8 एवं साध्वी सौम्या रेखा श्रीजी, साध्वी सुचिता श्री जी महाराज साहब, साध्वी शील रेखा श्री जी महाराज साहब की शिष्या परम पूज्य रेखा श्री जी महाराज साहब ,परम पूज्य सुचिता श्री जी महाराज साहब परम पूज्य सत्वरेखा महा आदि ठाणा 3

के सानिध्य में तपस्वियों के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में श्री संघ अध्यक्ष अनिल नागौरी, सचिव मनीष कोठारी, वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर सिंह लोढ़ा ,प्रेम प्रकाश जैन,

राकेश आंचलिया, अखेसिंह कोठारी, दिगम्बर जैन समाज के जम्बु कुमार जैन , , राजेश मानव, अनिल नाहटा,राजमल छाजेड़, सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे। महावीर स्वामी भगवान को रथ में विराजित किया गया । उनका फूलों से श्रृंगार किया गया था।

तपस्वियों का शाही वरघोड़ा 11:30 बजे मिडिल स्कूल मैदान स्थित जैन भवन से प्रारंभ हुआ जो वीरपार्क रोड ,महेश सर्कल ,कमल चौक , फव्वारा चौक, श्री बड़े बालाजी मंदिर चौराहा, नरसिंह मंदिर, घंटाघर, श्रीराम चौक, पुस्तक बाजार ,श्री भीडभंजन पार्श्वनाथ मंदिर पर पहुंचा। जहां सभी ने पार्श्वनाथ भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया । जिसके बाद जुलूस पुस्तक बाजार से टैगोर मार्ग होता हुआ जैन भवन मिडिल स्कूल मैदान पर पहुंचकर धर्म सभा सम्मान समारोह में परिवर्तित हो गया। यात्रा में सबसे आगे जिन शासन की स्वर्णिम ध्वजा लिए दो युवक चल रहे थे। इसके साथ दो युवक घोड़े पर सवार जिन शासन की ध्वजा लिए चल रहे थे।,

मंदसौर जिले में बड़ा घटनाक्रम, बाइक सहित नदी में बहा परिवार, 5 माह की मासूम व महिला लाश मिली, दो अब भी लापता

मंदसौर। जिले के नाहरगढ़ के पास नदी पर बनी पुलिया पार करते समय एक ही परिवार के तीन सदस्य तेज पानी के बहाव में बाइक सहित बह गए। इन सभी को डूबता देख पास खड़ा एक युवक भी पानी में कूद गया। यह नजारा देख मौके पर अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार के साथ मौके पर बड़ी संख?या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना के बाद प्रशासन व पुलिस की टीम भी पहुंच गई।

कुछ ही देर में 4 साल की मासूम बच?ची यतिका को बचा लिया गया, जबकि करीब 30 मिनट बाद सीतामऊ तहसील के मोरखेड़ा निवासी महिला संगीता व उसकी 5 माह की बेटी का शव मंडलोई डेम के पास मिला। सोनू व बबलू नाम के युवकों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया। गोताखोर व प्रशासन की टीम लगातार दोनों को युवकों की तलाश में जुटी है।

बचाने कूदा युवक भी लापता

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 11 बजे मंदसौर के गांव रुपारेल से सोनूसिंह अपनी पत्नी संगीता, 4 साल और 5 महीने की बेटी के साथ बाइक से नाहरगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नाहरगढ़ के समीप पुल पर शिवना नदी में तेज बहाव था। इस दौरान ये सभी लोग बाइक पर सवार होकर पुल पार कर रहे थे। इसी बीच बैलेंस बिगड़ने पर पानी के तेज बहाव में बाइक सहित चारों बह गए। चारों को नदी में बहता देख पास में खड़ा बबलू नाम का युवक भी पानी में कूद गया। इस पूरे दृश्य को पुलिस के दोनों छोर पर खड़े लोग देख रहे थे। मौके पर चीख-पुकार व बचाने की गुहार लगाने जैसे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

सूचना मिलने पर प्रशासन व पुलिस पहुंची

हादसे के वीडियो व सूचना तेजी से सोशल मीडिया पर फैलने लगी। इसके बाद आनन-फानन में मौके पर प्रशासन व पुलिस की टीम भी पहुंच गई। मल्हारगढ़ एसडीएम रवींद्र परमार, तहसीलदार ब्रजेश मालवीय, नायब तहसीलदार अभिशेक चौरसिया सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

संगीता व 5 माह की मासूम बच्ची की लाश मिली

हादसे के करीब आधे घंटे बाद घटनास्थल से करीब 2 किलोमीटर दूर मंडलोई डेम के पास संगीता सिंह राजपूत व 5 माह की मासूम बच्ची की लाश मिल गई। दोनों के शव को गोताखोर की टीम अस्पताल लेकर पहुंची। जबकि यतिका का नाहरगढ़ अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया गया। फिलहाल वह स्वस्थ है।

नहीं मिले सोनू व बबलू

हादसे में कुल 5 लोगों के बहने की सूचना मिली। इनमें से 5 साल की बच्ची सुरक्षित बच गई, जबकि दो के शव बरामद हुए है, लेकिन अब तक सोनूसिंह राजपूत तथा इन्हें बचाने कूदे बबलू का कोई पता नहीं चल पाया।

थाना प्रभारी ने दी घटना की जानकारी

थाना प्रभारी ने बताया कि, डूंगर सिंह चौहान ऊर्फ सोनू निवासी मोरखेड़ा अपनी पत्नी व दो बच्चियों को मोटर साइकिल पर बैठाकर ले जा रहे थे। आगे बैग भी रखा था। जब वह नाहरगढ़ स्थित शिवना नदी पुलिया से निकल रहे थे, तब शायद बैग मोटर साइकिल में फंसा या बाइक स्लिप हुई, बैग बचाने के चक्कर में महिला ने बैग पकड़ा। जब महिला गिरी तो महिला को बचाने के चक्कर में डूंगर सिंह भी कूद गया। तब साथ में चलने वाले लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की। पास में मौजूद राजू चौकीदार ने बहादुरी से अंदर कूदकर 5 साल की यतिका की जान बचाई।

बबलू पिता गुलाम रसूल निवासी नई आबादी नाहरगढ़ ने भी नदी में कूदकर सभी को बचाने की कोशिश की। उस समय महिला एक बच्ची को पकड़े हुए थी, उसने बबलू का कंधा पकड़ा तो बबलू भी पानी में डूब गया। इस घटना को मौके पर कई लोगों ने देखा। पुलिया पर पानी का तेज बहाव नहीं था।

कार्यालय नगर परिषद् रतनगढ़, जिला-नीमच(म.प्र.)

फोन 07420-253036, Email - cmoratangarh@mpurban.gov.in

क्रमांक-1967/न.प./दशहरा-2024 रतनगढ़, दि.-09/09/2024

-:: कोटेशन विज्ञप्ति ::-

सर्व साधारण/आर्गनाईजर एवं समस्त रामलीला कार्य करने वाले कलाकारों को सूचित किया जाता है कि, नगर परिषद रतनगढ़ द्वारा प्रतिवर्षानुसार दिनांक 03/10/2024 से दिनांक 12/10/2024 तक दस दिवसीय दशहरा उत्सव का आयोजन किया जाना है। जिसमे उक्त कार्य हेतु निम्नांकित दरें आमंत्रित कि जाती है।

-।। कार्य का विवरण ।।-

क्रमांक	कार्यकृम का नाम	विवरण	कार्यकृम की अनुमोनित लागत	अमानत राशि
01	रामलीला मय साजबाज (ग्रुप+वाद यंत्र/कलाकार सहित)	10 दिवसीय	85,000/-	1000

अतएव इच्छुक रामलीला कार्य करने उक्त कार्यकृम हेतु अपने-अपने भाव पत्र के पृथक-पृथक बंद लिफाफे, अमानत राशि (एफ.डी.आर/नगद/चेक) जमा करवाकर दिनांक- 24/09/2024 वार -मंगलवार को दोपहर 2 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है।

शर्ते-

1. कार्यकृम के दौरान समस्त कलाकारों को आने-जाने का किराया एवं कलाकारों के भोजन/स्वल्पाहार व्यवस्था स्वयं द्वारा वहन किया जावेगा निकाय द्वारा किसी भी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान नही किया जावेगा।
2. कार्यकृम के दौरान टूट-फूट/नुकसान की जिम्मेदारी स्वयं की होगी।
3. दरें सभी करों सहित देय होगी।
4. कलाकारों की सूची कोटेशन के साथ प्रस्तुत करना आवश्यक होगी।
5. आर्गनाईजर/फर्म/कलाकार का खाता क./पेन नंबर आवश्यक होगा।
6. उक्त कार्यक्रमों के कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत का अधिकार निकाय का सुरक्षित होगा, जिसका कारण बताया जाना आवश्यक नही होगा।
7. अन्य शर्ते व नियम अवकाश के दिनो को छोड़कर कार्यालयीन समय मे देख सकते है।

(सुगनाबाई कचरूलाल गुर्जर)
अध्यक्ष
नगर परिषद रतनगढ

(किरण शिवनन्दन छीपा)
उपाध्यक्ष
नगर परिषद रतनगढ

(गिरीश शर्मा)
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद रतनगढ

जिला स्तरीय साइकिलिंग ट्रैक प्रतियोगिता आयोजित

सिंगोली। 68 वीं जिला स्तरीय साइकिलिंग ट्रैक प्रतियोगिता का शुभारंभ दिनांक 9 सितम्बर 2024 को क. पा.शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोराव में हुआ। मुख्य निर्णायक मनोज सोनी द्वारा प्रतिभागियों को साइकिल रेस में होने वाले इवेंट्स के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कुल छात्र एवं छात्रा वर्ग में पांच-पांच टीमों ने भाग लिया जिसमें कुल 42 प्रतिभागी सम्मिलित रहे। आयोजक विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवचरण मीना द्वारा बच्चों को अच्छा खेल प्रदर्शन एवं खेल को खेल की भावना से खेलने और अपने जिले का नाम राज्य स्तर पर रोशन करने की बात कही।

लायंस क्लब नीमच को सत्र का 12 वां नेत्रदान जूना बाजार, नीमच सिटी निवासी सिंहल परिवार से प्राप्त

नीमच। लायंस क्लब नीमच द्वारा अन्धत्व को समूल नष्ट करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे नेत्रदान महादान अभियान के तहत् दिनाँक 9 सितम्बर 2024, सोमवार को 88 वर्षीय जूना बाजार, नीमच सीटी निवासी श्री शंकरलालजी सिंहल पिता स्व. श्री शिवलालजी सिंहल के देहावसान पश्चात स्वप्रेरणा उनके सुपुत्र श्री पीयूषजी गोयलङ्कश्रीमती वर्षाजी गोयल श्री अभिषेकजी गोयल, उमराव सिंहजी राठोर, श्री महेशजी सिंहल, श्री निखिलेशजी, श्री सुरेश सिंहल, श्री विवेकजी मंगल एवं परिवार ने लायंस क्लब नीमच को नेत्रदान कराए। उक्त नेत्रदान सत्र का 12 वां एवं अब तक का 2664 वां नेत्रदान है। क्लब के सेवाभावी सदस्य एवं नेत्रदान संयोजक लायन रिखबजी गोपावत, लायन योगेशजी पंत ने नेत्रदान सम्पन्न करवाने में महती भूमिका निभाई एवं नेत्रदान करवाने का पुनीत एवं सराहनीय कार्य किया।

गोमाबाई नेत्रालय के ऑप्थोमेट्रिस्ट श्री घनश्यामजी पाण्डे द्वारा नेत्र उत्सारित कर जरूरतमंदों को निःशुल्क प्रत्यारोपण हेतु नेत्रालय भेजे गए। नेत्रदान के समय नेत्रदानदाता के परिवारजन एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

इस दु:खद घड़ी में भी दृष्टिहीनों को नवदृष्टि प्रदान करने के पावन उद्देश्य से अपने प्रिय परिजन के नेत्रदान करने पर क्लब अध्यक्ष लायन सुनीलजी शर्मा, नेत्रदान संयोजक लायन रिखबजी गोपावत, नेत्रदान आभार समिति संयोजक लायन बाबूलालजी गौड़ ने नेत्रदानदाता सिंहल परिवार का हार्दिक आभार प्रकट किया एवं दिवंगत आत्मा को क्लब परिवार की ओर से हार्दिक श्रृद्धा सुमन अर्पित किए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्कः 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।